



जल्द पढ़ें

1 नवंबर को ही मनाया जाएगा दीपावली का त्योहार

हल्द्वानी। दीपावली पर्व इस बार एक नवंबर को ही मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य डॉ. मंजू जोशी के अनुसार इसे लेकर तरह-तरह के विचिंतन तक फैलाये जा रहे हैं लेकिन दीपोत्सव महालक्ष्मी पर्व एक नवंबर 2024 को ही संपूर्ण भारतवर्ष में मनाया जाएगा। सद्बुद्धिपूर्ण होना चाहिए परन्तु इसका दुरुपयोग हो रहा है। सनातन धर्म में विघटन की स्थिति उत्पन्न हो गई है। हिंदू धर्म के अनुयायी दो युगों में विचिंतित हो रहे हैं जो कि हमारे सनातन धर्म के लिए सोचनीय विषय है। ऐसे में हम अन्य धर्म के लिए उपहास के पात्र बनते जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इससे पूर्व ऐसी परिस्थिति उत्पन्न नहीं हुई है। 1962, 1963 और 2013 में भी ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई थी उस स्थिति में जब दो दिन अमावस्या तिथि पर प्रदेम व्याप्त हो दूसरे दिनों ही दीपोत्सव मनाया गया था।

चापे-चापे पर पुलिस का पहरा, बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की तलाशी शुरू

फूलपुर। फूलपुर समेत वृषी की 9 सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा। फूलपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करने के लिए प्रयागराज पुलिस कमिश्नर नेट के कड़ा बंदोबस्त किया है। नमांकन प्रक्रिया शुरू होते ही पुलिस ने फूलपुर क्षेत्र को घेरे की सुरक्षा के घेरे में तब्दील कर दिया है। 13 नवंबर को होने वाली वोटिंग से पहले प्रयागराज कमिश्नर नेट पुलिस ने कड़ाई शुरू कर दी है। चुनाव शांतिपूर्ण कराने के लिए पुलिस ने फूलपुर क्षेत्र के बाइलों पर बैरिकेडिंग और चेक प्वाइंट लगा दिया है। चेक प्वाइंट पर पुलिस के जवानों ने वाहनों की तलाशी शुरू कर दी है। निगरानी की जा रही है।

पिछली सरकारों के घोटाले अखबारों में छापे रहते थे

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर बोला हमला, कहा अब 15 लाख करोड़ रुके कामों की चर्चा हो रही

वाराणसी, एजिसिया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की पिछली सरकारों पर लाखों करोड़ रुपये के घोटाले करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि 10 साल पहले तक इन घोटालों की चर्चा अखबारों में छापे रहती थी, लेकिन अब उनके नेतृत्व वाली सरकार के नए कार्यकाल के सिर्फ सवा सौ दिन में ही 15 लाख करोड़ रुपये का काम शुरू होने की चर्चा हर घर में हो रही है। पीएम मोदी ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित 6700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में पूर्ववर्ती सरकारों पर



निशाना साधता। उन्होंने कहा, "10 साल पहले तक सरकार के लाखों करोड़ों रुपये के घोटालों की चर्चा अखबारों में छापे रहती थी। बातचीत का मुद्दा ही लाखों

मोदी ने वाराणसी के सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित 6700 करोड़ रुपये की 23 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इससे पहले, उन्होंने वाराणसी पहुंचकर कांची मठ द्वारा संचालित आर.जे. शंकर नेत्र अस्पताल का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं में 3,200 करोड़ रुपये से अधिक की 16 विकास परियोजनाएं वाराणसी के लिये हैं। प्रधानमंत्री ने लगभग 2870 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को रनवे के विस्तार, नए टर्मिनल भवन के निर्माण और संबद्ध कार्यों की आधारशिला भी रखी।

करोड़ों रुपये के घोटाले होते थे। (नए कार्यकाल के) आज सिर्फ सवा सौ दिन में ही 15 लाख करोड़ रुपये का काम शुरू होने की चर्चा हर घर में हो रही है। यही तो वह बदलाव है जो देश चाहता है।" उन्होंने कहा कि जनता का पैसा जनता पर खर्च हो, देश के विकास पर खर्च हो और पूरी ईमानदारी से खर्च हो, यह उनकी सरकार

की बड़ी प्राथमिकता है। मोदी ने कहा, "बोते 10 सालों में हमने देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण का एक बहुत बड़ा अभियान शुरू किया है और इस अभियान के दो सबसे बड़े लक्ष्य हैं। पहला लक्ष्य, निवेश से नगरिकों की सुविधा बढ़ाने का और दूसरा लक्ष्य निवेश से नौजवानों को नौकरी देने का। आज देश में नए-नए

राजमार्ग बन रहे हैं। नए-नए मार्गों पर रेल की पटरियां बिछाई जा रही हैं, नए-नए हवाई अड्डे बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ ईंट-पत्थर और लोहे-सरिया का काम नहीं हो रहा है बल्कि इससे लोगों की सुविधा बढ़ रही है और देश के युवाओं को नौकरियां भी मिल रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "काशी के लिए आज का दिन

बहुत ही शुभ है। अभी मैं आंखों के एक बड़े अस्पताल का लोकार्पण करके आपके पास आया हूँ। बाबा (भोलेनाथ) के आशीर्वाद से यहां हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। आज उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग हवाई अड्डों का शुभारंभ हुआ। इसमें बाबतपुर हवाई अड्डे के अहताल आगरा और सहारनपुर का सरसावा हवाई अड्डा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर देखें तो शिक्षा, कौशल विकास, खेल, स्वास्थ्य, पर्यटन हर क्षेत्र की परियोजनाएं बनारस को मिली हैं और यह सारी परियोजनाएं सुविधा के साथ-साथ नौजवानों के लिए रोजगार के अनेक नए अवसर भी लेकर आई हैं।

बहराइच हिंसा के आरोपियों के घरों पर नहीं चलेगा बुलडोजर

बहराइच, एजिसिया

जिले के महाराजगंज बाजार में बीते रविवार को हुई हिंसा में पीडितों की ओर से मुख्य आरोपी समेत 23 लोगों के घरों को नोटिस जारी किया गया है। इस मामले में दिल्ली की एपीसीआर संस्था ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य अभियुक्त को बेटों की तरफ से वाद दायर किया है। रविवार शाम को सुनवाई करते हुए लखनऊ हाईकोर्ट ने सरकार से 3 दिन में पक्ष रखने का निर्देश दिया है। वहीं बुलडोजर की कार्रवाई पर 15 दिन के लिए रोक लगा दी है।

अग के हवाले कर दिया गया था। इसके बाद पीडितों की प्रांतीय खंड की ओर से महाराजगंज के 23 लोगों को नोटिस जारी कर 3 दिन में जवाब मांगा गया था। नोटिस का जवाब न मिलने पर सभी के मकान पर बुलडोजर की कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। इसको देखते हुए दिल्ली की एपीसीआर संस्था के मुख्य कार्यकारी सैयद महफजुर रहमान ने लखनऊ हाईकोर्ट में अधिवक्ता सौरभ शंकर श्रीवास्तव के जरिए वाद दायर करवाया था। रविवार शाम को 6.30 बजे मामले की सुनवाई हुई। जिसमें लखनऊ हाईकोर्ट के वरिष्ठ जज और मसूदी व सुभाष विद्यार्थी की टीम ने मामले की सुनवाई की। अधिवक्ता सौरभ शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि जजों की टीम ने सुनवाई करते हुए मामले में सरकार से 3 दिन में जवाब मांगा है जिसमें उनसे पूछा गया है कि यह



सड़क ग्रामीण है या शहरी है। इसके अलावा सभी ग्रामीणों को 15 दिन का समय दिया गया है कि वह सभी अपना पक्ष

फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 12 साइबर जालसाज गिरफ्तार

लखनऊ, एजिसिया

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस ने एक फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर 12 कथित साइबर जालसाजों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा रविवार को जारी एक बयान के मुताबिक, शनिवार को पुलिस ने एक सूचना पर पीजीआई थाना क्षेत्र स्थित वृंदावन योजना के सेक्टर-18 में एक्सेस एन्क्लेव के एक फ्लैट पर छापा मारा और वहां काम कर रहे 12 साइबर जालसाजों को गिरफ्तार कर लिया।



बयान के मुताबिक, पुलिस ने छापेमारी के दौरान 11 लैपटॉप, लैपटॉप चार्जर, एक टैबलेट, दो वाई-फाई यूनिट, दो राउटर, पांच हेडफोन, और 17 मोबाइल फोन सहित बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक

उपकरण जब्त किए। बयान के अनुसार, पकड़े गये साइबर अपराधी विदेशी नागरिकों, खासतौर से अमेरिका और कनाडा के बाशिंदों को निशाना बनाते थे। इसमें कहा गया है कि वे अपने शिकार लोगों के लैपटॉप कम्प्यूटर सिस्टम में जानबूझकर त्रुटियां या 'बग' भेजते थे, जिससे 'पाँच-अप' संदेश दिखाई देते थे। बयान के मुताबिक, प्रभावित व्यक्ति द्वारा

मेला क्षेत्र में मुफ्त राशन उपलब्ध कराएगी योगी सरकार

प्रयागराज, एजिसिया

प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ 2025 के दौरान यहां आने वाला कोई भी श्रद्धालु, कल्पवासी भूखे पेट नहीं सोएगा। योगी सरकार की ओर से इसके लिए मेला क्षेत्र में व्यापक तैयारियां की हैं। पूरे मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए भंडारों का तो आयोजन किया ही जाएगा, साथ ही उन्हें मुफ्त राशन की सुविधा का भी लाभ मिलेगा। कई-कई दिनों तक महाकुंभ में रहने वाले कल्पवासियों और श्रद्धालुओं के राशन कार्ड बनाए जाएंगे और उन्हें राशन की सुविधा प्राप्त होगी। पहले से राशन कार्ड धारण करने वालों की भी राशन कार्ड दिखाने पर राशन प्रदान किया जाएगा। इसके लिए खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा पूरे मेला क्षेत्र के सभी सेक्टरों में कुल 160 उचित दर वाली राशन की दुकानों की स्थापना की जाएगी, जहां से दो बार (जनवरी-फरवरी) में राशन प्रदान किया जाएगा। राशन के भंडारण के लिए 5 गोडाउन भी



स्थापित होंगे। इस पूरी परियोजना पर 43 करोड़ से ज्यादा की धनराशि खर्च की जाएगी।

दो महीने में मिलेगी फ्री राशन

एडीएम मेला, विवेक चतुर्वेदी के अनुसार महाकुंभ के दौरान कई ऐसे श्रद्धालु आते हैं जो कई-कई दिनों तक मेला में प्रवास करते हैं। इन्हें कल्पवासी कहा जाता है। ये अपना भोजन स्वयं पकते हैं। इनकी सुविधा के लिए खाद्य

जाएगी। राशन की कमी न हो, इसके लिए मेला क्षेत्र के अंदर ही 5 गोडाउन भी स्थापित किए जा रहे हैं।

एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री का अलग से होगी आउटलेट्स परियोजना के अनुसार कल्पवासियों एवं श्रद्धालुओं को खाद्यान्न, चीनी एवं रसोई गैस उपलब्ध कराया जाएगा। एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री के लिए अलग से आउटलेट्स लगाए जाएंगे। 10 लाख स्थायी आबादी के अतिरिक्त अस्थायी आबादी के भोजन के लिए भंडारों का आयोजन किया जाएगा, जहां प्रतिदिन राशन की आपूर्ति की जाएगी। एक अनुमान के अनुसार एक राशन कार्ड में 5 लोग होते हैं तो इस लिहाज से दो माह में तकरीबन 2 लाख राशन कार्ड की आवश्यकता होगी। खास बात ये भी होगी कि इस सुविधा का लाभ बड़े अखाड़ों और शिविरों में रहने वाले श्रद्धालुओं और कल्पवासियों को भी मिलेगा।

बदायूं: रिश्ते की बहन से था प्रेम प्रसंग, इसलिए फुफ्फे भाई को उतारा था मौत के घाट

बदायूं, एजिसिया

थाना फैजगंज बहेटा क्षेत्र के गांव बसौमी आए मुगदाबाद के आकाश की हत्या करके शव घूर में दबा दिया गया था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया था। शव सड़ने की वजह से मौत का तरीका स्पष्ट नहीं हुआ था। हालांकि जानवर के शरीर काटने की पुष्टि हुई थी। पुलिस ने मृतक की मां की तहरीर पर मृतक के दो ममेरे भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि उनकी रिश्ते की बहन से आकाश का प्रेम प्रसंग चल रहा था। कई बार समझाने के बाद भी वह नहीं माना तो फुफ्फे भाई की गमछे से गला दबाकर युवक की हत्या की और शव घूर में दबा दिया था। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया।



(21) पुत्र गुलजारी की निहाल थाना फैजगंज बहेटा क्षेत्र के गांव बसौमी में है। वह और उसके ममेरे भाई पान सिंह, नेम सिंह और चोखे लाल एक ही कंपनी में नौकरी करते थे। जिसके चलते आकाश अक्सर अपनी निहाल आता रहता था। निहाल के परिवार में एक युवती से उसका प्रेम प्रसंग हो गया था। आकाश के

के परिजन पहुंचे। शव को घूर से बाहर निकाला गया। उसका चेहरा तेजाब डालकर जलाया गया था। जिससे उसकी पहचान न हो। वह नमन था, प्राइवेट पार्ट पर भी चोट के निशान थे। आकाश की मां मुन्नी देवी के अनुसार 12 अक्टूबर को पान सिंह और चोखे लाल उनके घर पर आए थे। आकाश को अपने साथ निहाल ले गए। जिसके बाद से आकाश वापस नहीं लौटा। अब हत्या की सूचना मिली। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया। मृतक के भाई विजय पाल की तहरीर पर पान सिंह और चोखे लाल के खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी। आरोपी फरार हो गए थे। एसीपी देहात के के.सरोज ने बताया कि मुगदाबाद निवासी युवक का शव घूर में दबा मिला था। मृतक के परिजन की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। एक आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है।

लिस्ट में सबसे ऊपर है ये नाम बम की धमकी से एयरलाइंस को हुआ करोड़ों का नुकसान

नई दिल्ली: एजिसी

भारतीय एयरलाइंस को एक के बाद एक बम से जुड़ी कई धमकियां मिल चुकी हैं। सोमवार से शनिवार तक 6 दिन के भीतर 70 से ज्यादा विमानों में बम होने की चेतावनी दी गई है। इसकी वजह से कई फ्लाइटों का रूट खयवर्त हुआ, कुछ की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई और कई फ्लाइटों ने देर से उड़ान परी। सभी एयरलाइंस ने पैसेंजर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मुमकिन कदम उठाए। मगर वह सब करना आसान नहीं था। एयरलाइन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। अब सबाल वह है कि बॉम्ब की धमकी से किस एयरलाइन का सबसे ज्यादा धाटा हुआ है?



1 धमकी पर 3 करोड़ का नुकसान कई भारतीय और विदेशी एयरलाइंस में बम की सूचना मिली थी। 70 फ्लाइट्स की इस लिस्ट में एयर इंडिया, इंडिगो, अकासा, विस्तार और एयर एशिया समेत कई एयरलाइंस का नाम शामिल है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक बम धमका के वजह से प्लाइट का रूट खयवर्त होता है या इमरजेंसी लैंडिंग करवाई जाती है। ऐसे में ईंधन से लेकर लैंडिंग चार्ज, पैसेंजर्स के ठहरने का खर्चा, क्रूम्बर्स को बदलने और एयरक्राफ्ट को नीचे उतारने में लगभग 360,000 डॉलर यानी 3

2 विमानों में भी बम की खबर सामने आई थी। ऐसे में 9 फ्लाइट्स में बॉम्ब श्रेट की सूचना से कंपनी को 27 करोड़ तक का नुकसान उठाना पड़ा होगा।

दूसरे नंबर पर विस्तार का नाम

इस लिस्ट में दूसरा नाम विस्तार एयरलाइंस का है। बम की धमकी से विस्तार के 6 विमानों की उड़ानें प्रभावित हुई हैं। इसमें सिंगापुर, फ्रैंकफुर्ट और कोलंबो से आने वाली फ्लाइट्स भी शामिल हैं। इससे विस्तार कंपनी को लगभग 18 करोड़ के आसपास का नुकसान हुआ होगा। मार्केट शेयर के मुताबिक इंडिगो देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस है। इंडिगो की 2 इंटरनेशनल फ्लाइट समेत 5 फ्लाइटों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इससे इंडिगो को 15 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ होगा।

5वें रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारी में जुटे मोहन यादव

गोपाल, एजिसिया

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने राज्य में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव सीरीज की शुरुआत की है। अब तक राज्य के उज्जैन, जबलपुर, सागर और ग्वालियर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा चुका है। अगला रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 23 अक्टूबर को रीवा में होने वाला है।



विकास होगा, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। जो राज्य के समग्र आर्थिक विकास को सशक्त बनाएंगे। आज रीवा में बीसी के माध्यम से आगामी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के सम्बन्ध में गांव संभाग के उद्यमियों से संवाद किया। प्रदेश की समृद्धि हेतु उद्योग अत्यंत आवश्यक है। मध्यप्रदेश सरकार राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए निरंतर नई नीतियां बना रही है, उद्योगपतियों-उन्होंने यह भी बताया कि रीवा इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में व्यापारिक और औद्योगिक स्टेकहॉल्डर्स के लिए बिजनेस

प्रमोशन सेंटर की स्थापना की जाएगी। यहां 16 से अधिक फेमस सरकारी और प्राइवेट डिपार्टमेंट अपने प्रोडक्ट, सर्विस और पॉलिसी को प्रेजेंट करेंगे। इसका उद्देश्य व्यापार को सरल बनाने के साथ इन्वेस्टर्स और उद्यमियों के बीच कॉन्मुनिकेशन को बढ़ावा देना है। इस कॉन्क्लेव में एमपी इंडस्ट्रियल डेव्लपमेंट कॉर्पोरेशन की बहुत ही खास भूमिका रहेगी। इसका काम '12 ऑफ इंडिया बिजनेस' के तहत बिजनेस प्रोसेस को सरल और आसान बनाकर निवेशकों को व्यापार स्थापित करने में मदद करना है। एमपी स्टेट इलेक्ट्रॉनिक डेव्लपमेंट कॉर्पोरेशन राज्य के कूट और एररूट इंडस्ट्री में विकास और निवेश के अवसरों को शायद भी करेगा। वहीं टटएट विभाग सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए अपनी योजनाओं के बारे में बताएंगी।

जिलाधिकारी ने सुनी फरियादियों की शिकायतें दिया निस्तारण के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना): जिलाधिकारी नीधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में तहसील अमरोहा के अंतर्गत ब्लॉक सभागार अमरोहा में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से सुना और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पूर्व तहसील दिवस में आई शिकायतों को रजिस्टर में अवलोकन कर उप जिलाधिकारी अमरोहा से आवश्यक बिंदुओं पर जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन अधिकारियों द्वारा अधिक शिकायत वाली पंचायतों पर पहुंचकर शिकायतों का निस्तारण नहीं किया गया है एक सप्ताह में जाकर निरीक्षण कर लें और जांच कर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर रिपोर्ट मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय को सौंप दें। कहा कि जहां पर तहसील और विकासखंड के अधिकारियों की आवश्यकता है वहां पर वह अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें।

जिला जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस सरकार की प्राथमिकताओं में है इसमें किसी भी प्रकार



के लापरवाही न किया जाए शिकायतकर्ताको शिकायत के निस्तारण संतुष्ट होना चाहिये। शिकायतकर्ता को फोन पर बुलाया जाए और उससे बात

किया जाए यदि शिकायत का निस्तारण नहीं हो तो उसका कारण बताया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि भूमि संबंधी

ज्यादा शिकायत आ रही है तहसील और थाने के अधिकारी संयुक्त रूप से मौके पर जाकर भूमि संबंधी विवादों का निस्तारण सुनिश्चित करेंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि यदि शिकायत के निस्तारण में गुणवत्ता की कमी पाई जाती है तो सम्बंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

जिलाधिकारी ने कहा की तहसील दिवस को आधिकारिक गंभीरता से लें आज जो शिकायतें आई हैं उनके निस्तारण के लिए टीम बनाकर फोल्ड में भेजी जाएगी अधिक से अधिक शिकायतों का मौके पर जाकर निस्तारण करके आना होगा।

जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश देकर कहा कि जो शिकायतें सम्पूर्ण समाधान दिवस में आई हैं उन शिकायतों की जांच की जाये और आने वाली शिकायतों का निस्तारण शीघ्र अतिशीघ्र किया जाये। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने कहा कि भूमि संबंधी विवादों में अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हैं प्रतिदिन शिकायतें मिल रही हैं पीड़ित परेशान हो रहा है। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों सहित कुल 27 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 03 शिकायत का निस्तारण मौके पर हुआ। शेष शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह उपजिलाधिकारी सदर परियोजना निदेशक कुमरेंद्र प्रताप जिला विकास अधिकारी क्षेत्राधिकारी पुलिस सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

एआरटीओ प्रवर्तन ने 10 डग्गामार बसों को किया सीज



अमरोहा। (सब का सपना) परिवहन विभाग के अभियान के तहत 10 डग्गामार बसों पर कार्रवाई करते हुए सीज कर दिया है। ये बसें अमरोहा से दिल्ली की ओर जा रही थीं। इन बसों पर परमिट तो थे। लेकिन इन बसों द्वारा परमिट शर्तों का उल्लंघन किया जा रहा था इस लिए इन्हें सीज करने की कार्रवाई की गई।

ए आर टी ओ प्रवर्तन महेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में परिवहन विभाग की टीम सड़कों पर उतर गई और अमरोहा शहर की ओर से आने वाली सभी बसों को रोककर चेक किया गया और 4 बसों को सीज कर दिया गया। इस कार्यवाही में यातायात पुलिस निरीक्षक धर्मेन्द्र खोखर भी उपस्थित रहे। बता दें कि अक्टूबर माह में प्रवर्तन कार्यवाही

में अब तक कुल 30 बसों के चालान और 14 बसों को सीज किया गया है। इस बार दिवाली पर रहेगी इतने दिनों का अवकाश, शिक्षा विभाग ने जारी किये आदेश इसी प्रकार माहसितम्बर में प्रवर्तन कार्यवाही में 107 बसों के चालान और 30 बसों को सीज किया गया था।

सितम्बर माह में मुरादाबाद मंडल में बसों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्यवाही में अमरोहा जनपद प्रथम स्थान प्राप्त किया गया था। इतनी बड़ी कार्यवाही से बस मालिकों में हड़कंप मचा हुआ है और वह ए आर टी ओ प्रवर्तन पर सिफारिशों की झड़ी लगाये हुए हैं। लेकिन उनकी सिफारिश काम नहीं आ पा रही है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।



दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में जयंत एवं बालिका वर्ग में नुमा ने मारी बाजी

अमरोहा (सब का सपना): प्राथमिक

विद्यालय गुलामपुर में विद्यालय स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय में अध्यक्ष नरेश चंद्रा आने प्रतिभाग किया। खेलों का शुभारंभ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामवीर सिंह एवं संकुल शिक्षक संजय सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया।

बालिका वर्ग 50 मीटर दौड़ में कक्षा 5 की नन्दनी प्रथम, कक्षा 5 की निधि द्वितीय एवं कक्षा 3 की छात्रा नुमा तृतीय स्थान पर रही जबकि 100 मीटर दौड़ में नुमा कक्षा तीन प्रथम स्थान पर, नंदिनी कक्षा 5 द्वितीय स्थान पर एवं पावल कक्षा 5 तृतीय स्थान पर रही।

बालक वर्ग 50 मीटर दौड़ में जयंत कक्षा 5 प्रथम, दुर्वेश कक्षा 5 द्वितीय एवं प्रशांत कक्षा चार तृतीय स्थान पर रहा। जबकि 100 मीटर दौड़ में जयंत कक्षा 5 प्रथम, लकी कक्षा 5 द्वितीय एवं दुर्वेश कक्षा 5 तृतीय स्थान पर रहा। खो-खो में बालिका वर्ग में कक्षा 5 की टीम प्रथम स्थान पर रही जबकि बालक वर्ग में खो-खो में कक्षा चार की टीम प्रथम स्थान पर रही। कबड्डी में बालिका वर्ग में गुण ए की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि बालक वर्ग में भी गुण ए की टीम प्रथम स्थान पर रही। इसके अलावा लंबी कूद में दुर्वेश ने प्रथम एवं जयंत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि बालिका वर्ग में नंदिनी ने प्रथम और निधि ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

जिलाधिकारी ने किया पशुपालन विभाग की गौ संरक्षण की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना): जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग की गौ संरक्षण के सम्बंध में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संरक्षित पशु सुपदगी बाहर घूम रहे पशु भूसा हरा चारा खली चोकर की उपलब्धता डंड से बचाव के लिए इन्तजाम सहित अन्य व्यवस्थाओं के सम्बंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने कहा कि भूसा चारा पानी गौशाला विस्तार लाइट संरक्षण जमीन विवाद सहित जितनी मुख्य समस्याएं हैं उनको खण्ड विकास अधिकारी और पशु पालन विभाग के अधिकारी दोनों संयुक्त रूप से 15 दिन के अन्दर पूर्ण करा लें यदि इसके पश्चात विकास खण्ड से कोई गौ वंश के सम्बंध में शिकायत मिली तो बख्सा नहीं जाएगा जिम्मेदारी फिक्स की जाएगी इन्हें और

पशुपालन विभाग ही जिम्मेदार होंगे उपजिलाधिकारी केवल निरीक्षण करेंगे। कहा कि जनपद की सभी गौशालाओं में डंड से बचाव के इन्तजाम बेहतर हों कहीं भी लापरवाही न हो शिकायत मिली तो खेर नहीं होगी पूरी गौशाला को तिरपाल से ढक कर रखा जाए। नीचे सूखे स्थान पर ही बांधा जाए गीला न हो यह विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों से जानकारी ली कि तने संरक्षित हैं ऑन रोड कि तने घूम रहे हैं। निर्देशित करते हुए कहा कि अभियान चलाकर सम्बन्धित गौशाला में संरक्षित करें या सुपदगी किया जाए ध्यान दे कोई भी पशु बाहर न दिखे कहा कि गौशालाओं की क्षमता बढ़ाया जाए जो निर्माण कार्य लंबित है उनको प्राथमिकता से निर्माण करकर गौशालाओं का विस्तार करें। सभी गौशाला में संरक्षण की पर्याप्त व्यवस्था हो।

राम का जीवन हम सबके लिए एक मानक है

अमरोहा (सब का सपना): श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी सिद्धि विनायक समूह के तत्वाधान में आयोजित रामकथा के अविनाश दिन आज अयोध्याधाम से पधारे देश के विख्यात कथावाचक परमपूज्य संत स्वामी दिल्लीदास जी महाराज ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की महिमा का बखान करते हुए कहा कि राम का जीवन हम सबके लिए एक मानक है, जहां से मनुष्य जीवन को आधार मिलना शुरू होता है। राम अनुशासन, चरित्र निर्माण, सत्य, निष्ठा, प्रेम, सदाचार, दान एवं दयालुता के सर्वोच्च स्तम्भ हैं। 'राम' इतना महान शब्द है कि स्वयं प्रभु श्री राम भी उसकी महत्ता का बखान नहीं कर सकते हैं। इसे तुलसीदास जी ने ऐसे कहा है कि,

करहु कहां लगि नाम बड़ाई राम न सकहि नाम गुण बड़ाई
मर्यादा पुरुषोत्तम राम सिर्फ भगवान ही नहीं है, वो तो मृतप्राय जीव में भी आशा का संचार कर अमरत्व की प्राप्ति के उद्घोषक है। अन्तिम दिन के मुख्य यजमान/अतिथि वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के



प्रतिकुलाधिपति एवं अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता डा. राजीव त्यागी ने कहा कि जगत के पालनहार भगवान विष्णु के सातवें अवतार प्रभु श्री राम के आदर्श हर युग में प्रासंगिक हैं। प्रभु श्रीराम का जीवन दर्शन दया, धर्म, प्रेम, करुणा, चरित्र निर्माण, सदाचार एवं अनुशासन का सर्वोच्च आधार स्तम्भ है जो हमें जीवन जीने की

कला सिखाता है, अगर मनुष्य प्रभु श्रीराम के जीवन दर्शन एवं आदर्शों को एक प्रतिशत भी 'आत्मसात' कर ले, तो कलयुग स्वतः ही समाप्त हो जायेगा। इस बार दिवाली पर रहेगी इतने दिनों का अवकाश, शिक्षा विभाग ने जारी किये आदेश इस अवसर पर सिद्धि विनायक समूह के अध्यक्ष श्रीमान डा. अमित गिरि,

सचिव एवं विख्यात इतिहासकार डा. अनीता गोस्वामी, संरक्षक एवं प्रेरणा पुंज श्री शिव कुमार गिरि, श्रीमती कमला देवी, रोहित गुप्ता, सदीप गिरि, अंजू रानी, राजीव कुमार, अमरीश गोस्वामी, मेरठ परिसर निदेशक डा. प्रताप एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि समेत हजारों की संख्या में रामभक्त उपस्थित रहे।

बालक वर्ग में अपराजित और बालिका वर्ग में अगम्य सदन ने बाजी मारी

अमरोहा (सब का सपना): द आर्यस स्कूल जोया में वॉलीबॉल मैच का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक महोदय अनिल कुमार सिंह, चौधरी हरपाल सिंह एवं निदेशक अमन लाल, गौरव चौधरी तथा प्रधानाचार्य आदेश सिंह उपस्थित रहे।

जिसमें कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस मैच में छात्राओं में अगम्य सदन से वृष्टि, मनस्वी, स्नेहा, प्रेसी, देवांशी, अक्षी, आशी, भूमिका, निम्मी, रिया अग्रिम सदन से अलीना, प्राची, हिमांशी लावत, प्रजा, मानसी, ज्योत्सना, सफिया, मान्या, सिद्धि, हिमांशी, पलक, अतुल्य सदन से माही, पावनी, शिखा, अविका, खुशी, गुनिका, अंशिका, प्रिया, जानवी, अनन्या, आस्था अपराजित सदन से हार्दिया, सना, खुश मनप्रती, आरती, अंशिका, याशी, हंसिका, तन्वी ने प्रतिभाग किया तथा छात्रों में अतुल्य सदन से पार्थ चौधरी, आदित्य, प्रशांत ओलक, मयंक, शिवांक, मुकुल पाल, गाजी,



अविश, रजत, अपराजित सदन से वंश बांगा विनय लिट्ट, विनय, देवांश, आदित्य, विमल, गर्वित, प्रियांशु,

अधिन, आयुष, प्रतीक, अग्रिम सदन से चिराग, हारून, ऋषभ, वैभव, मृत्युंजय, तुषार, शशांक, लकी,

श्रेयांश, अमोश, निखिल, शिखर, अगम्य सदन से आर्यश, अर्पित, चित्रांक, शमी, रचित, जतिन, सार्यक,

सैफुल्ला, जयंत, अंश, आदित्य ने प्रतिभाग किया। छात्राओं में प्रथम स्थान अपराजित सदन ने, द्वितीय स्थान

अग्रिम सदन ने एवं तृतीय स्थान अतुल्य सदन ने प्राप्त किया तथा छात्रों में प्रथम स्थान अगम्य सदन ने, द्वितीय स्थान अपराजित सदन ने एवं तृतीय स्थान अग्रिम सदन ने प्राप्त किया इस मैच का आयोजन पीटीआई सावन तथा अंजलि कश्यप मैम ने सामूहिक रूप से किया। मैच के दौरान प्रधानाचार्य महोदय ने बताया कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह मनुष्य को क्रियात्मक रूप से गतिशील बनाता है इस अवसर पर विद्यालय के कोऑर्डिनेटर चंदनी बत्रा, धीरज महलथ, सुनीता चौधरी, शालिनी भार?द्वारा अन्य शिक्षकगण सुमित चौधरी, विनीत कुमार शर्मा, चिरंजीव, सुचित्रा, शिवानी सिद्ध, जागृति, आरती, अजीत, सावन, पंकज, सरिता, संतोष कुमार, अंजना देवी, अखिल गिरि, रिया, कुमुद, प्रेरिता, राहुल, अनिल कुमार, शिवा मॉरिस, सचिन शर्मा, सोनू, फुरकान सैफी, नेहा खन्ना, सिखा आनंद आदि उपस्थित रहे।

नगर निकाय में चल रही योजनाओं की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना): जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में नगर पालिका नगर पंचायतों में चल रही योजनाओं नए प्रस्तावों निर्माण कार्य लंबित कार्यों की समीक्षा जिलाधिकारी कार्यालय में की गई। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर बन्दन योजना अमृत सरोवर तालाब के सौंदर्यीकरण दीन दयाल उपाध्याय नगर पेयजल योजना सहित अन्य योजनाओं व नए प्रस्तावों पर चर्चा कर प्रगति की आवश्यक जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि जो भी निर्माण कार्य चल रहे हैं या करायें जाने हैं उसमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए। इसमें कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि अधिशासी अधिकारी निकायों को इनकम का साधन बनाएं। शॉपिंग मॉल ओपन जिम नगर वाटिका थीम बेस पार्क आदि भी प्रस्तावों में सम्मिलित करें शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ सुंदर और आकर्षक बनाएं साथ ही निकायों को इनकम का साधन भी बनाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि जो निर्माण कार्य हों उसका धुगतान गठित कमेटी शिकायत मिली तो कार्यवाही जाएगी। जो प्रस्ताव पास हो गए हैं अधुने लंबित हैं प्राथमिकता से कार्य कराया जाय कोई भी कार्य लंबित न रहे अन्यथा गंभीर कार्यवाही की जाएगी।

सरकार के सपने को ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम प्रधान मिलकर कर रहे चकनाचूर

अमरोहा (सब का सपना): - उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत सचिवालय बनवाए गए हैं। सरकार की मंशा है कि गांव के व्यक्ति को राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र आदि के लिए अब तहसीलों के चक्कर न लगाने पड़े इसलिए सरकार के द्वारा ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत सचिवालय का निर्माण कराया गया है और सचिवालय बनवाने में मोटी धनराशि खर्च की गई है। वहीं सचिवालय में ग्राम पंचायत सहायक की नियुक्ति की गई है। लेकिन उसके बाद भी ग्रामीणों को सरकार की सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा। आए दिन ग्रामीण ब्लॉक, तहसीलों और जनपदों के चक्कर काटते हुए मिल जायेंगे।



जबकि ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी और पंचायत सहायक चाहे तो उनका कार्य उनके गांव में ही हो सकता है। लेकिन उसके बाद भी ग्रामीणों को अधिकारियों के चक्कर काटने पड़ते हैं। यानी कि सरकार के द्वारा लगाया गया पंचायत सचिवालय में मोटा धन अब यूं ही बर्बाद हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ पंचायत सहायकों को हर महीने दी जाने वाली धनराशि भी यूं ही बर्बाद हो रही है। आखिर क्या वजह है कि ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी व पंचायत सहायक सरकार के सपने को चूर-चूर करने का काम कर रहे हैं। जब इस वजह को समझने के लिए सब का सपना समाचार पत्र की टीम ग्राउंड स्तर पर उतरी तो पाया कि ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत भवन समय से नहीं खुलते। काफी जगह ग्राम पंचायत भवन दिनभर बंद रहते हैं। आखिर सवाल तो उठते हैं कि जनपद के उच्च अधिकारी आखिर अभी कर क्या रहे हैं। या फिर जनपद में उच्च पदों पर तैनात अधिकारी एकसुर लेने में नाकाम है या फिर किसी दबाव में।

सबसे पहले हमारी टीम ब्लॉक मण्डी धनीरा के ग्राम पंचायत देहरा कादर वक्श पहुंची और पाया कि ग्राम पंचायत सचिवालय 10:54 बजे तक बंद है। पंचायत भवन में ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी या पंचायत सहायक अधिकारी मौजूद नहीं रहते। उसके बाद दूसरी ओर ग्राम पंचायत कमेलपुर में 11:09 पर सचिवालय बंद पाया गया। इसी के साथ ग्राम पंचायत सुझेला चक में पंचायत सचिवालय

11:15 पर बंद पाया गया। इतना ही नहीं ग्राम पंचायत सचिवालय में साफ सफाई भी नहीं हो रही है। चारों तरफ गंदगी पसरी हुई है। इतना ही नहीं बल्कि ग्राम पंचायत में भी पक्के रास्तों पर भी गंदगी पसरी हुई है। जहां आने-जाने में लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वहीं ग्राम पंचायत बेरखेड़ा में पंचायत सचिवालय 11:30 पर बंद मिला और ग्राम पंचायत में कागजी घोड़े दौड़कर खाना पूर्ण की जा रही है। हालांकि इन ग्राम

साथ ही ग्राम पंचायत शाहपुर में पंचायत सचिवालय 11:39 तक बंद मिला। और साथ-साथ ग्राम पंचायत में गंदगी का अंवार भी लगा हुआ है। ग्राम पंचायत को देखकर ऐसा लगता है कि जैसे सफाई कर्मचारी कई महीने से ग्राम पंचायत में साफ सफाई का कार्य करने के लिए नहीं पहुंचा। हालांकि विकासखंड धनीरा की इन सभी ग्राम पंचायत में कागजी घोड़े दौड़कर खाना पूर्ण की जा रही है। हालांकि इन ग्राम

पंचायत के मामले में जब जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया है कि पंचायत सचिवों से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। वहीं दूसरी ओर 16 अक्टूबर को 2024 को विकासखंड जोया क्षेत्र की ग्राम पंचायत मानकजुड़ी में भी पंचायत सचिवालय 11:39 पर ताला लगा हुआ मिला। जहां पंचायत सहायक उत्तर प्रदेश सरकार के आदेशों की धजियां उड़ा रहा

है। हालांकि ऐसे लापरवाह पंचायत सचिवों और पंचायत सहायकों की खजह से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लोगों को उत्तर प्रदेश सरकार की योजना का लाभ नहीं मिल पाता जहां गरीब लोग उत्तर प्रदेश सरकार की योजना का लाभ लेने से पहले ही वंचित हो जाते हैं। हालांकि आगे देखने वाली यह बात होगी कि जिला प्रशासन ऐसे लापरवाह अधिकारियों और पंचायत सचिवों के खिलाफ क्या कार्यवाही करता है।

संक्षेप खबरें

ब्लॉक प्रमुख ने किया सीसी रोड का उद्घाटन



खर (सब का सपना): - विकासखंड गंगेश्वरी के ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने ब्लॉक प्रमुख निधि से ग्राम पंचायत आदमपुर और ग्राम पंचायत शुबय में आरसी रोड का निर्माण कार्य कराया। जिसका आज फीता काटकर ब्लॉक प्रमुख के द्वारा उद्घाटन किया गया। ब्लॉक प्रमुख ने इस दौरान कहा कि इन गांवों में काफी लंबे समय से इन मार्गों पर गंदगी पसरी हुई थी। जिससे कि अब सड़क को बनने से गांव में लोगों को गंदे रास्ते से गुजरने से निजात मिलेगी। आगे उन्होंने कहा कि मैंने

अभी तक लगभग अपने ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायतों में ब्लॉक प्रमुख निधि से सड़क निर्माण आदि कार्य कराए हैं। उन्होंने कहा आगे भी मैं इसी तरीके से अपने विकासखंड क्षेत्र के लोगों की सेवा करता रहूंगा। इस मौके पर राजेंद्र सिंह खड्गवंशी (ब्लॉक प्रमुख), क्षेत्र पंचायत सदस्य आल्हा सिंह, कुंवरपाल, पप्पू सिंह, राजपाल भड़ना, महिवाल, कपिल कुमार सेनी, मेघ सिंह नेताजी, डॉक्टर कल्याण सिंह, शिवकुमार, केंपी सिंह, पप्पू (ग्राम संघ अध्यक्ष) आदि लोग मौजूद रहे।



भा. कि. यू. (भूमि) के कार्यकारिणी का हुआ गठन

अमरोहा (सब का सपना) शौसिंह सेनी: - नगर पालिका अमरोहा के अंतर्गत ग्रीन कॉलोनी में भाकि यू (भूमि) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुलदीप त्यागी के आवास पर बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष खचेडू सिंह ने कहा कि मुझे आशा है कि सभी कार्यकर्ता ईमानदारी के साथ अपने का कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। वहीं इस दौरान अन्य कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार

साझा किये। इस मौके पर मंजु चौहान (राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा), कुलदीप त्यागी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), धर्मपाल सिंह चौहान (राष्ट्रीय संरक्षक), विपिन चौहान (कोषाध्यक्ष), मनोज चौहान (संगठन मंत्री), राकेश कुमार (मंत्री), कल्लू सिंह चौहान (सचिव), हिमांशु चौहान (राष्ट्रीय प्रवक्ता), अनिल कुमार (सचिव), चरण सिंह प्रधान (महासचिव) आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत



अमरोहा। अमरोहा शहर के मोहल्ला सीमा कॉलोनी निकट नायाब अन्वार्सी गलर्स पीजी कॉलेज केलसा रोड स्थित राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन पत्राचार कार्यालय पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। स्वागत समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान पहुंचे, जहां राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन के कार्यकर्ताओं में उनका फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। इसी के साथ राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान ने संगठन में जुड़ने वाले सभी कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र देकर संगठन को मजबूत बनाने का हौसला बढ़ाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान ने सभी कार्यकर्ताओं को ढेरों सारी शुभकामनाएं दी। राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन को मजबूत बनाने का हौसला बढ़ाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान ने संगठन में जुड़ने वाले सभी कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र देकर संगठन को मजबूत बनाने का हौसला बढ़ाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान ने संगठन में जुड़ने वाले सभी कार्यकर्ताओं को ढेरों सारी शुभकामनाएं दी। राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन को मजबूत बनाने का हौसला बढ़ाया।

शिक्षा चलाता है। और कार्यक्रम में मानव अधिकार सभी मनुष्य के लिए समान रूप से है। वह मानव अधिकार किसी रूप में दायर नहीं जाते बल्कि ये सभी में निहित हैं। मानव अधिकार जीवन के अधिकार से लेकर भोजन शिक्षा काम स्वास्थ्य और स्वतंत्रता जैसे अधिकार तक है। शिक्षा कम स्वास्थ्य और स्वतंत्रता जैसे अधिकार तक है। मानव अधिकार सभी मनुष्यों को सामान्य गरिमा सम्मान के लिए जीने का अधिकार देता है। इसी के साथ उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आवाहन किया है कि सभी लोग संगठन में जुड़कर समाज में रहने वाले गरीब लोगों की आवाज को उठाने का काम करेंगे। और किसी गरीब परिवार में अत्याचार को लेकर उसकी आवाज को बुलंद करने का काम करेंगे। इसी के साथ उन्होंने कहा है कि यदि किसी भी व्यक्ति को कोई समस्या होती है। तो वह संगठन के माध्यम से अपनी शिकायत रख सकता है जिसके बाद संगठन के माध्यम से उसकी समस्या का समाधान किया जाएगा। इसी के साथ उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।



जिनसे नहीं संभाली जा रही नगर पंचायत नौगांवा सादात उसी अधिशासी अधिकारी को सौंप दिया गया नगर पालिका हसनपुर का चार्ज

अमरोहा (सब का सपना): - जनपद के नगर पंचायत नौगांवा सादात में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वच्छता अभियान पर पलती लाग रहा है। जहां नगर पंचायत नौगांवा सादात के वार्डों के मुख्य बाजारों और सड़कों पर लगे गंदगी के ढेर जिला प्रशासन को ही नहीं बल्कि शासन को भी बड़ी चुनौती दे रहे हैं।



नगर पंचायत नौगांवा सादात में नगर पंचायत अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी सलिल भारद्वाज जिला प्रशासन के आदेशों की धजियां उड़ा रहे हैं। हालांकि तस्वीरों में देखा जा रहा नजाबत कहीं बाहर की नहीं बल्कि नगर पंचायत नौगांवा सादात का है। जहां नौगांवा के मोहल्ला तकिया पापड़ी में मुख्य मार्ग पर गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। जहां आने जाने वाले राहगीरों को मुंह पर कपड़ा बांधकर इन कूड़े के ढेर के पास से होकर गुजरना पड़ता है। हालांकि मोहल्ला के लोगों ने बताया है कि सफाई कर्मचारी समय से नहीं पहुंचता और कई कई दिन कूड़े के ढेर लगे रहते हैं। जहां रहने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है। हालांकि ऐसा ही

नजारा मोहल्ला नई बस्ती और बुध बाजार का भी है। जहां मुख्य बाजारों के नाले गंदगी से अटे हुए हैं। जहां नगर पंचायत के गंद पानी के निकासी पूरी तरह से टप हो जाती है। और नालों का गंद पानी सड़कों पर जमा हो जाता है। वहीं मोहल्ले

के लोगों ने बताया है कि नालों में कूड़ा कचरा लगा हुआ है। जिससे पानी आगे नहीं बह पाता और गंद पानी सड़कों पर जमा हो जाता है। जिससे आने-जाने में काफी लोगों को समस्या होती है। हालांकि नालों में पसरी पड़ी गंदगी से डेंगू जैसे

मच्छर पैदा हो रहे हैं। जहां लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो रहा है। ऐसे में लोगों को डेंगू जैसी बीमारी का खतरा सता रहा है। ग्राम पंचायत के रहने वाले लोगों ने इतना ही नहीं बल्कि यह भी कहा है कि नगर पंचायत द्वारा मच्छरों को दवाइयों का

छिड़काव भी नहीं करवाया गया है। जहां डेंगू की बीमारी के डर से लोग खुद ही अपने पैरों से दवाइयों को छिड़काव अपने घर के आसपास कर रहे हैं। जहां नगर पंचायत में डेंगू जैसी बीमारी का खतरा जिला प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित हो

सकता है। हालांकि यह तस्वीर नगर पंचायत नौगांवा सादात के इलाकों की है। जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। जहां गंदगी के लगे ढेरों को देखकर नगर पंचायत नौगांवा सादात अपनी बर्दकस्मती पर खून के आंसू बहा रही है। हालांकि एक चौकाने वाली बात यह भी है कि जिस अधिशासी अधिकारी से अपनी नगर पंचायत की साफ सफाई नहीं हो पाई। वहीं जिला प्रशासन ने ऐसे लापरवाह अधिशासी अधिकारी को नगर पालिका हसनपुर का भी चार्ज सौंप दिया है। ऐसे में सवाल अधिशासी अधिकारी सलिल भारद्वाज को कार्य शैली पर खड़ा होता है कि जो अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत नौगांवा सादात को नहीं संभाल पाए। तो वह नगर पालिका हसनपुर को कैसे संभालेंगे। हालांकि अधिशासी अधिकारी सलिल भारद्वाज सरकार के लाखों रुपए को चूना लगा रहे हैं। जहां विकास नालों में गंद पानी की तरह बह रहा है। लेकिन ऐसे में जिला प्रशासन अधिशासी अधिकारी सलिल भारद्वाज पर कार्यवाही करने की बजाय मेहरबान होता नजर आ रहा है। हालांकि अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन अधिशासी अधिकारी सलिल भारद्वाज पर क्या कार्यवाही करता है।

सारंगपुर में बुखार से महिला समेत तीन की मौत, कई सौ लोग पीड़ित

संभल/सौधन, (सब का सपना) जिले में विकास खंड पंचास क्षेत्र के गांव सारंगपुर में बुखार से पीड़ित महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं कई सौ लोग बुखार से तप रहे हैं। तीन मौतों से स्वास्थ्य महकमे में खलबली मच गई। स्वास्थ्य विभाग ने शिविर लगाकर ग्रामीणों का इलाज शुरू किया। एसडीएम ने भी मौके पर जाकर जानकारी लेते हुए पीड़ितों के बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए।

गांव सारंगपुर में बुखार का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। 12 अक्टूबर को सुनीता पत्नी गंभीर की बुखार के कारण मुरादाबाद के अस्पताल में मौत हुई थी जबकि तमाम ग्रामीण बुखार से तप रहे थे। फिर भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से ग्रामीणों के इलाज के लिए समुचित प्रयास नहीं किए गए। शुक्रवार को रात रामवीर (32 वर्ष) पुत्र गंगाराम की बुखार के चलते मुरादाबाद के निजी अस्पताल में मौत हो गई। शनिवार को दोपहर करीब 12 बजे

ओमवती (50 वर्ष) पत्नी महेश की मौत हो गई जबकि दोपहर 2 बजे शम्बीर (80) ने भी बुखार के चलते जान गंवा दी। गांव में बुखार से तीन की मौत और तमाम लोगों के पीड़ित होने की जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई। आनन फानन में स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया। यहां एसीएमओ डॉ. कुलदीप कुमार आदिम, नोडल अधिकारी डॉ. मनोज कुमार की देखरेख में टीम ने ग्रामीणों को जांच करते हुए इलाज शुरू किया। एसडीएम डॉ. वंदना मिश्रा ने भी मौके पर पहुंचकर स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों को बुखार पीड़ितों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए। कहा कि गांव अच्छे तरीके से साफ सफाई कराई जाए। एसडीएम ने मृतक रामवीर के घर जाकर भी जानकारी की। इस बीच ग्रामीणों ने मोबाइल कंपनी के 5जी नेटवर्क के टावर को भी मौत की वजह बताया।



संक्षेप खबरें

ट्रेक्टर ने बाइक में मारी टक्कर, दंपति की मौत



चन्दौसी। बनियाटेर थाना क्षेत्र के गांव बेरीखेड़ा के पास ट्रेक्टर ने बाइक सवार दंपति को टक्कर मारी दी। हादसे में दंपति की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेक्टर चालक फरार हो गया। मृतक युवक के ससुर की ओर से अज्ञात ट्रेक्टर चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

थाना बहजोई के गांव रम्युग निवासी अंकित पुत्र राजपाल अपनी पत्नी रानी के साथ सोमवार को बाइक पर सवार होकर अपनी ससुराल गांव बेरीखेड़ा थाना बनियाटेर गए थे। शाम सात बजे अंकित पत्नी के साथ बाइक पर सवार होकर ससुराल से घर के लिए निकले।

गांव से 700 मीटर दूरी पर पीपल के पेड़ के पास सामने से आ रहे ट्रेक्टर चालक ने बाइक को टक्कर मारी दी। हादसे में दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर रानी के पिता प्रेम चंद्र पुत्र रामकिशोर परिजनों के साथ मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल पुत्री व दामाद को उपचार के लिए मुरादाबाद ले जा रहे थे। मगर रास्ते में ही दोनों ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। रामकिशोर ने अज्ञात ट्रेक्टर चालक के विरुद्ध घटना की तहरीर दी है।

प्रेम प्रसंग में बाधक बनने पर मौसेरे देवर के साथ मिलकर उतारा मौत के घाट

बहजोई (संभल), अमृत विचार। दो दिन पहले चाकू से गला रेतकर की गई हलवाई की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। प्रेम संबंध में बाधक बनने पर पत्नी ने अपने मौसेरे देवर के साथ मिलकर पति की हत्या की थी। पुलिस ने हत्यापीपी पत्नी व उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त चाकू, कपड़े व मोबाइल भी बरामद किया है।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विशनोई ने खुलासा करते हुए बताया कि थाना बनियाटेर के गांव अकबरपुर के जंगल में अज्ञात व्यक्ति का शव ढाड़ मिला था। जिसकी शिनाख्त 12 अक्टूबर से लापता पुष्पेंद्र पुत्र भगवान दास के रूप में की गई थी। पुलिस ने खुलासा किया कि पुष्पेंद्र की पत्नी काजल का अपने मौसेरे देवर अजय निवासी गांव बनकोटा थाना वजीरगंज जनपद बदायूं से 2 वर्ष से प्रेम प्रसंग था। एक साल पहले अजय ने पुष्पेंद्र की पत्नी काजल का अपना मोबाइल फोन चुराया था। पुलिस ने अजय को पकड़ लिया। अजय ने पुलिस को बताया कि वह पुष्पेंद्र की पत्नी काजल का प्यार करता था। अजय ने पुष्पेंद्र की पत्नी काजल का प्यार करने के लिए उसे मारने का प्लान तैयार किया ताकि पति की मौत के बाद वह प्रेमी से मिल सके। 12 अक्टूबर को अजय ने काजल के साथ रचे षडयंत्र के तहत पुष्पेंद्र की चाकू से गला रेत कर हत्या करते हुए गांव अकबरपुर को जाने वाले रास्ते पर शव फेंककर चले गए। एसपी ने बताया कि

पुलिस चौकी के बाहर महिला ने लगाई आग, हालत गंभीर प्रेम प्रसंग के चलते उठाया आत्मघाती कदम



संभल (सब का सपना) जिले में चौधरी सराय पुलिस चौकी के बाहर नाजिया (30 वर्ष) पत्नी दिलशाद ने गुरुवार शाम आग लगा ली। पुलिस और आसपास के लोगों ने आग बुझाकर गंभीर रूप से झुलसी महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उपचार शुरू किया। महिला का कहना है कि वह मुझे से शादी करना चाहती है। लेकिन, वह इनकार कर रहा है और उसका दूसरी लड़कियों से प्रेम प्रसंग चल रहा है। महिला पहले पुलिस चौकी में शिकायत करने पहुंची थी। बाहर आकर तेल छिड़ककर आग लगा ली। महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

एक महिला द्वारा पुलिस चौकी के बाहर खुद को आग लगाने की जानकारी मिली है। पता किया जा रहा है कि ऐसी क्या वजह थी? जिस कारण महिला ने यह आत्मघाती कदम उठाया।

— कृष्ण कुमार विशनोई पुलिस अधीक्षक संभल

रंगदारी मांगने के आरोप में कांग्रेस जिलाध्यक्ष गिरफ्तार

संभल। गांव के व्यक्ति से प्लाट को लेकर विवाद में मामला कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय शर्मा की गिरफ्तारी तक पहुंच गया। सदर कोतवाली पुलिस ने पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में मंगलवार शाम कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय शर्मा को गिरफ्तार कर लिया।



कोतवाली क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर टंडा निवासी कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय कुमार शर्मा का गांव के ही देशराज के साथ एक प्लाट को लेकर विवाद चल रहा था। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने देशराज के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पांच दिन पहले परिवार के साथ एसडीएम कार्यालय पर धरना दिया था। उस समय एसडीएम व सीओ ने सरख रुख दिखाते हुए धरना समाप्त कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने देशराज की तहरीर पर शुक्रवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय शर्मा, उनके भाई सुभाष शर्मा एक अन्य सुधीश शर्मा व एक अज्ञात सहित चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। आरोप था कि गांव के ही श्यामलाल से दस वर्ष पहले खरीदे प्लाट पर देशराज का निर्माण कार्य चल रहा था। प्लाट पर पहुंचकर विजय शर्मा, सुभाष शर्मा व सुधीश शर्मा ने पांच लाख रुपये की मांग की। विरोध किया को विजय शर्मा ने निर्माण कार्य नहीं करने देने व जान से मारने की धमकी दी थी। मंगलवार शाम को पुलिस टीम ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजय शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली प्रभारी अनुज कुमार ने बताया कि देशराज को आरोप पर मोहम्मदपुर टंडा निवासी विजय शर्मा को गिरफ्तार किया गया है।

डीजे के साउंड बॉक्स से दबकर 6 साल के बच्चे की मौत

संभल। (सब का सपना) जुनावई थाना क्षेत्र में युवक का रिश्ता पक्का होने की खुशी में शनिवार की शाम बज रहा डीजे एक परिवार पर कहर बनकर टूट पड़ा। डीजे पर डांस के दौरान बाइब्रेशन से गिरे साउंड बॉक्स के नीचे दबकर 6 वर्षीय बालक की मौत हो गई। हादसे में 3 अन्य बालक घायल हो गए। बालक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए ही बालक के शव का गंगाघाट पर अंतिम संस्कार कर दिया।

बदायूं जिले के गांव केसो की महेया निवासी सेवक शनिवार की शाम जुनावई थाना क्षेत्र के गांव मिठनपुर रघुपुर पुख्ता निवासी विनोद कुमार के साथ बेटे का रिश्ता पक्का करने आए थे। रिश्ता पक्का होने की खुशी में विनोद कुमार की ओर से खाने पीने के इंतजाम के साथ ही डीजे का प्रबंध किया गया था। शनिवार देर रात दस बजे पंडाल में बज रहे डीजे पर विनोद कुमार के रिश्तेदार, परिजन और मुहल्ले के नौशेरा का 6 वर्षीय बेटा कृष्णा, दुलीचंद का 10 वर्षीय बेटा विकास, हरिओम का 8 वर्षीय बेटा अमित और जयपाल का 9



वर्षीय बेटा प्रदीप कुमार भी डांस कर रहे थे। तेज आवाज की वजह से होने वाले बाइब्रेशन से भेज पर रखा साउंड बॉक्स गिर गया। डीजे के नीचे दबकर कृष्णा, विकास, अमित और प्रदीप कुमार घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने साउंड बॉक्स उठाकर बालकों को बाहर निकाला। उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आ गए। हालत गंभीर होने पर कृष्णा को मेडिकल कालेज अलीगढ़ रेफर किया गया, जबकि विकास, प्रदीप कुमार व अमित को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसमें अलीगढ़ लौकर जाते समय कृष्णा की रास्ते में ही मौत हो गई।

दो दिन से लापता युवक की हुई हत्या, बाग में मिला शव

चन्दौसी : दो दिन से लापता युवक का शव आम के बाग में पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस व परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। युवक हलवाई की दुकान पर कार्य करता था। घटना की सूचना पर एसपी ने मौके पर पहुंच कर जानकारी की। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजकर जांच शुरू कर दी है। शव के पास से चाकू का टुकड़ा दस्ता और शराब की बोतल मिली है।

बनियाटेर थाना क्षेत्र के मुरादाबाद मार्ग स्थित टी-व्हाइट के पास गांव अकबरपुर मार्ग पर अर्जुन लाला के बाग में बटाईदार मुकेश कुमार को सोमवार की सुबह शव पड़ा हुआ दिखाई दिया। बटाईदार ने घटना की पुलिस को सूचना दी। कुछ देर बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया।

शव की शिनाख्त कोतवाली क्षेत्र के संभल गेट स्थित कुम्हारों वाली गली निवासी पुष्पेंद्र प्रजापति 23 वर्ष पुत्र

बनियाटेर थाना क्षेत्र में आम बाग में युवक का शव-विश्लेषण शव मिला है। शव की शिनाख्त कोतवाली चन्दौसी के मोहल्ला संभल गेट निवासी युवक के रूप में हुई। शव पोस्टमार्टम को भेजा जा रहा है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

— श्रीश चंद्र, एसपी

भगवान दास के रूप में हुई। युवक तहसील चौराहा स्थित हलवाई की दुकान पर कार्य करता था और दो दिन से लापता था। परिजनों ने युवक की गुमशुदगी कोतवाली में दर्ज कराई थी। घटना की सूचना मिलने पर एसपी श्रीश चंद्र व फॉरेंसिक टीम पहुंच गई। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। शव दो दिन पुराने होने पर फूलने के साथ शव-विश्लेषण हो गया था। अनुमान लगाया जा रहा है कि युवक की हत्या कर शव आम के बाग में डाल दिया होगा।

बनियाटेर थाना क्षेत्र में आम बाग में युवक का शव-विश्लेषण शव मिला है। शव की शिनाख्त कोतवाली चन्दौसी के मोहल्ला संभल गेट निवासी युवक के रूप में हुई। शव पोस्टमार्टम को भेजा जा रहा है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। युवक हलवाई की दुकान पर कार्य करता था। घटना की सूचना पर एसपी ने मौके पर पहुंच कर जानकारी की।



पेड़ से टकराई पिकअप, चालक की मौत, दो गंभीर

चन्दौसी। बनियाटेर थाना क्षेत्र में मुरादाबाद रोड स्थित गांव भुलावई के पास पिकअप सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी लाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक सोनभद्र जनपद का निवासी बताया जा रहा है। ये तीनों लोग विद्युत निगम में टेकेदार के साथ कार्य करते हैं।

गुरुवार रात 2 बजे मुरादाबाद की ओर से आ रही पिकअप बनियाटेर थाना क्षेत्र के भुलावई के पास सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उधर से गुजर रहे रहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा। जहां चिकित्सक ने देखते ही राम सागर (35) पुत्र शिव वरन निवासी थाना ओबर जनपद सोनभद्र को मृतक घोषित कर दिया। राम नरेश पुत्र मान सिंह निवासी थाना ओबर जनपद



सोनभद्र व रिकू पुत्र हिमाचल निवासी गांव खटेटा थाना कुड़फतेहगढ़ की हालत गंभीर होने पर हॉस्पिटल रेफर कर दिया। बताया गया कि ये तीनों लोग मुरादाबाद मार्ग पर बिछाई जा रही कई विद्युत लाइन पर टेकेदार के साथ कार्य कर रहे थे। तीनों लाइन मैन बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मृतक व घायलों के परिजनों को दी गई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अनुमान लगाया जा रहा है कि चालक को झपकी आने पर कार अनिर्वाचित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराई।

आवश्यकता, नाम परिवर्तन, खोया-पाया, सार्वजनिक सूचना विज्ञापन कम दरों में

सब का सपना क्लासीफाइड के साथ लाखों तक पहुँचाइये अपनी बात

अपना विज्ञापन बुक करवाने के लिये संपर्क करें 9456884327

Admission Open

अपने संस्थान को दे नई तरक्की

एजुकेशन के विज्ञापन बुक करायें

विज्ञापन हेतु संपर्क करें—

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें—9456884327

जरूरी खबरें

पति से हुआ झगड़ा तो महिला ने मासूम बेटे को पुल से फेंका

मुरादाबाद। मुगलपुरा थाना क्षेत्र में पति से झगड़े में एक महिला ने अपने चार साल के बेटे इजहान को पुल से फेंक दिया। 24 घंटे बाद उसने डेढ़ माह की बच्ची को भी नदी में डुबो कर मारने का प्रयास किया। इस दौरान लोगों ने उसे पकड़ लिया। शनिवार को महिला के पति ने दो दिन पहले कटघर क्षेत्र में मिले बच्चे के शव की पहचान अपने बेटे इजहार के रूप में की है। पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया है।



थाना मुगलपुरा के बरवालान कुंवर साहब वाली गली निवासी राशिद हलाई का काम करता है। पांच साल पहले उसकी शादी कटघर के करुला करवाला निवासी सामिया के साथ हुई थी। सामिया और राशिद अपने बेटे इजहान (4) और डेढ़ साल की बच्ची के साथ परिवार से अलग रह रहे थे। राशिद अपने बेटे और बेटे की मां बाप के पास लेकर जाता था तो सामिया मना करती थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। बीती 17 अक्टूबर की सुबह पांच बजे सामिया इजहान को लेकर घर से निकल गई और उसने जामा मस्जिद पुल से उसे रामगंगा नदी में फेंक दिया था। जिसमें उसकी मौत हो गई थी। उसकी दिन कटघर क्षेत्र के देवापुर में एक बच्चे की लाश मिली थी। पोस्टमार्टम में बच्चे की मौत सिर में चोट लगने से हुई थी, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी जिसके बाद साजिया अकेली घर लौटी तो पति ने उससे पूछताछ की, तब उसने बताया कि इजहान अपनी नानी के घर रुक गया है। शुक्रवार सुबह पांच बजे सामिया बेटे की हत्या करने के झंझट से घर से निकली और बच्ची को जामा मस्जिद पुल के नीचे रामगंगा नदी में डुबो रही थी।

रामपुर की महिला हेड कांस्टेबल की थी मुरादाबाद में मिली सिर कटी लाश



रामपुर/मुरादाबाद। कटघर थाना क्षेत्र में रामगंगा किनारे मिली सिर कटी लाश रामपुर में तैनात महिला हेड कांस्टेबल रिंकी की थी। महिला सिपाही एक सप्ताह से लापता थी। मायके वालों ने रामपुर के सिविल लाईंस थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मुरादाबाद में सिर कटी लाश मिलने की सूचना के बाद मायके पक्ष के लोगों ने पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंच कर हाथ में बने ओम के निशान और दाहिने हाथ की उंगली के नाखून की मदद से शिनाख्त की। इस मामले में रिंकी की मां ने उसके पति सिपाही सोनू के खिलाफ काट्टा हुआ सिर भी रिपोर्ट दर्ज कराई है। सिपाही पति ने ही सिपाही पत्नी की हत्या करने के शक को रामगंगा के किनारे ठिकाने लगाने के

इशारे से फेंक दिया था। रामपुर पुलिस आरोपी सिपाही पति और उसके बहनोई को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। थाना कटघर क्षेत्र में बीते गुरुवार दोपहर गांव देवापुर के जंगल में रामगंगा नदी किनारे महिला का सिर कटा शव मिला था। सूचना मिलने पर सीओ कटघर आशीष प्रताप सिंह और थाना कटघर प्रभारी संजय कुमार ने मौके पर पहुंच कर फॉरेंसिक टीम से जांच पड़ताल कराई थी। पुलिस ने शव मिलने वाले स्थान के आसपास सर्च ऑपरेशन चलाया तो घटनास्थल से लगभग 25 मीटर दूर महिला का कटा हुआ सिर भी मिला गया था। इसके अलावा 100 मीटर की दूरी पर एक बच्चे का शव भी मिला था।

769 हिस्ट्रीशीटों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर

मुरादाबाद। जनपद की कुंदरकी विधान सभा सीट के उप चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन ने अपनी पूरी तैयारियां कर ली हैं। पुलिस विधानसभा क्षेत्र में पड़ने वाले गांवों के 769 हिस्ट्रीशीटों पर पैनी नजर रखेगी है। इसके अलावा इन इलाकों को भी पुलिस सिले के नोडल अधिकारी एसपी ट्रेफिक सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव को सफर संपन्न कराने के लिए बदमाशों को चिह्नित कर लिया गया है। इस क्षेत्र के गांव जिले के सात थाना क्षेत्रों में पड़ते हैं। जिनमें कुल 769 हिस्ट्रीशीट भी हैं। इन हिस्ट्रीशीटों का सत्यापन करना जा रहा है। अधिकांश का सत्यापन हो चुका है। कुछ के बाहर होने की सूचना मिली है। जो किसी न किसी मामले में जेल जा चुके हैं।

मकान नाम न करने से नाराज पत्नी ने ब्लेड से काट दिया पति का गला

मुरादाबाद। मकान नाम न करने से नाराज पत्नी ने ब्लेड से काट दिया पति का गला, बच्चों संग हुई फगर मुरादाबाद, अमृत विचार: दिल्ली से करवा चौथ मनाने आए पेंटर पति से पैतृक मकान अपने नाम कराने की मांग अधिक है। ब्राइडल मेकअप की बुकिंग 50 से अधिक है। करवा चौथ को लेकर पिछले दो दिन से बाजार में महिलाओं की अधिक भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। शनिवार की सुबह से महिलाएं चूड़ी, बिंदी और मेकअप का सामान व पूजा की थाली की खूब खरीदारी करती रही (विवाहित महिलाओं के लिए करवा चौथ के व्रत का विशेष महत्व होता है। यह व्रत महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए रखती हैं। इस दिन महिलाएं सुबह से निजला व्रत रखती हैं और रात को चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद व्रत खोलती हैं।

शुक्रवार की रात ही दिल्ली से लौटा था। घर पहुंचते ही पत्नी ने झगड़ा शुरू कर दिया। पत्नी चाहती है कि मकान उसके नाम कर दिया जाए, जबकि अर्धक पैतृक घर का वंटवारा नहीं हुआ है। मकान सागर की दादी के नाम पर है। सागर ने बताया कि उसने जैसे ही पत्नी को समझाने की कोशिश की, उसने अचानक अपने पास पहले से मौजूद एक ब्लेड निकाला और उस पर हमला कर दिया। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, पत्नी ने उसके गले पर कई बार काट दिए। इसकी वजह से उसकी गर्दन से खून बहने लगा। आनन-फानन में घायल सागर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घायल सागर ने बताया कि शादी के इतने सालों बाद भी उसकी सास उसके पारिवारिक मामलों में दखल देती है। सास उसकी पत्नी को बात-बात पर भड़काती है।

होटल कारोबारी के घर नौकरानी ने की थी चोरी, 18 लाख का माल बरामद

रविवार को पुलिस ने होटल कारोबारी के घर हुई चोरी का खुलासा कर दिया, तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है

मुरादाबाद। रविवार को पुलिस ने होटल कारोबारी के घर हुई चोरी का खुलासा कर दिया। पुलिस ने पांच लाख रुपये की नकदी सहित 18 लाख का माल बरामद किया है। साथ ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से पांच लाख रुपये नकद और लगभग 13 लाख रुपये के सोने और चांदी के जेवरत बरामद किए हैं। फिलहाल, पुलिस ने तीनों ही आरोपियों का मेडिकल करवाकर जेल भेज दिया है। एसपी सिटी कुंवर रणविजय सिंह ने मामले का खुलासा कर जानकारी दी। यह मामला थाना सिविल लाइन्स क्षेत्र का है। थाना क्षेत्र अंतर्गत होटल कारोबारी के घर काम करने वाली नौकरानी पिछले लंबे समय से घर में रखी नकदी और सोने चांदी के जेवरत चुरा रही थी। घरवालों को जब इस मामले में जानकारी मिली तो

मामला थाना सिविल लाइन्स क्षेत्र का है। थाना क्षेत्र अंतर्गत होटल कारोबारी के घर काम करने वाली नौकरानी पिछले लंबे समय से घर में रखी नकदी और सोने चांदी के जेवरत चुरा रही थी। घरवालों को जब इस मामले में जानकारी मिली तो मामले में पुलिस ने तहकीकात शुरू की तो कई पहल सामने आए। पुलिस ने नौकरानी सहित दो अन्य साथियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, घर में काम करने वाली नौकरानी काफी लंबे समय से घर में रखा माल चुराकर सुनार की दुकान पर बेच रही थी और नगदी भी चुरा रही थी। आरोपी पति-पत्नि ने चोरी के माल से मिली रकम से मकान बनाया था।



पुलिस से शिकायत की गई। मामले में पुलिस ने तहकीकात शुरू की तो कई पहल सामने आए। पुलिस ने नौकरानी सहित दो अन्य साथियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, घर में काम करने वाली नौकरानी काफी लंबे समय से घर में रखा माल चुराकर सुनार की दुकान पर बेच रही थी और नगदी भी चुरा रही थी। आरोपी पति-पत्नि ने चोरी के माल से मिली रकम से मकान बनाया था। कुछ दिनों पहले बाइक भी खरीदी थी। पुलिस ने नौकरानी व उसके पति और सोना खरीदने वाले ज्वेलर्स को गिरफ्तार किया है।

डेढ़ लाख का इनामी बदमाश मारा गया

बुलंदशहर। यूपी में जब से योगी सरकार बनी है, तब से बदमाशों के एनकाउंटर किए जा रहे हैं। आए दिन पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो रही है। इस बीच, रविवार तड़के बुलंदशहर में पुलिस ने डेढ़ लाख के एक इनामी बदमाश राजेश को एनकाउंटर में मार गिराया। बदमाश पर 50 से ज्यादा मुकदमे दर्ज थे। मारे गए बदमाश पर बुलंदशहर पुलिस और अलीगढ़ पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित किया हुआ था। बदमाश से एनकाउंटर के दौरान थाना प्रभारी अहार और एक सिपाही भी घायल हुआ है। दोनों को गोली लगी है। पुलिस एनकाउंटर में मारे गए बदमाश राजेश थाना अहार के सिहालीनगर गांव का निवासी था। उस पर लूट, डकैती और गैरिस्ट्र के 50 से ज्यादा मुकदमे दर्ज थे। पुलिस बदमाश राजेश को काफी दिनों से तलाश कर रही थी। रविवार तड़के पुलिस को मुखबिर से बदमाश राजेश के बारे में



सूचना मिली। जानकारी होते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी की और बदमाश राजेश को आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। बचाव में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदमाश राजेश मारा गया। पुलिस ने बताया कि एनकाउंटर में थाना प्रभारी और एक सिपाही घायल है। दोनों खतरे से बाहर है। 38 दिनों में मारे गए बदमाश उत्तर प्रदेश में पिछले 38 दिनों में चार बदमाश पुलिस एनकाउंटर में मारे गए हैं।

ससुराल आते ही पिट गए दामाद जी, पत्नी भी चुपचाप देखती रही तमाशा, घायल कर गांव से निकाला

बुलंदशहर। थाना अनुपशहर क्षेत्र के गांव लोहई निवासी विकास कुमार पुत्र अशोक कुमार ने थाने में नामजद तहरीर देते हुए कहा है कि करीब पांच साल पहले थाना अहमदगढ़ क्षेत्र गांव मुमरेजपुर निवासी मुकेश कुमार की पुत्री के साथ शादी हुई थी। शनिवार को किसी पर पति-पत्नी के बीच मनमुटाव हो गया। पत्नी अपने मायका जाने की जिद पर अड़ी रही तो विकास कुमार अपनी पत्नी को लेकर उसके मायका गांव मुमरेजपुर पहुंचा। वहां पत्नी व साला समेत चार लोगों ने गांवी-गलीज के बाद उसकी पिटाई कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर गांव से भगा दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने पत्नी, साला समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बाइक सवार दो युवकों पर धारदार हथियारों से हमला

अंरगाबाद। एक अन्य मामले में क्षेत्र के गांव जोट में पुरानी रंजिश को लेकर दवांगों ने धारदार हथियारों से बाइक सवार युवकों पर हमला बोल दिया। जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल पक्ष ने पांच हमलावरों को नामजद करते हुए थाने में तहरीर दी है। गांव जोट निवासी अनिल पुत्र लिखीराम शनिवार को अपने मित्र पुनीत के साथ बाइक द्वारा गांव सराय छबीला से अपने गांव लौट रहा था इस दौरान ही आधा दर्जन युवकों ने धारदार हथियार से हमला बोल दिया। जिसमें बाइक सवार अनिल गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा और उसके दूसरे साथी पुनीत ने मौके से भाग कर अपनी जान बचाई। हमलावर युवक को अघराव कर मौके से भाग खड़े हुए। घायल युवक के स्वजन ने फोन कर कर घटना की सूचना थाना पुलिस को दी।

घटना की सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस

पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। लेकिन हालत गंभीर देख जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे नोपेड़ा हायर सेंटर रेफर कर दिया। घायल पक्ष ने पांच हमलावरों को नामजद करते हुए थाना अंरगाबाद में तहरीर दी है। थाना प्रभारी नीलेश कुमार भारद्वाज ने बताया कि पीड़ित पक्ष द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पांच आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

प्रतिदिन चेक होंगे ट्रांसफॉर्मर, लोड बढ़ा तो अवर अभियंता व लाइनमैन पर भी गिरेगी गाज

बुलंदशहर। अब बिजली ट्रांसफॉर्मर की क्षमता प्रतिदिन चेक की जाएगी। लोड बढ़ा मिलने पर अवर अभियंता व लाइनमैन पर गाज गिरेगी। निबंध आपूर्ति के लिए ट्रांसफॉर्मर को क्षतिग्रस्त होने से बचाने की कवायद में उर्जा निगम ने यह कदम उठाया है। निगम अध्यक्ष ने इसके लिए वाट्सएप ग्रुप भी बनाया। इसमें नियमित ट्रांसफॉर्मर की स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। बिजली चोरी होने पर ट्रांसफॉर्मर पर लोड भी बढ़ जाता है। इससे ट्रांसफॉर्मर फूंक जाते हैं और क्षेत्र की आपूर्ति बाधित हो जाती है। इस समस्या का समाधान करने के लिए उर्जा निगम के अध्यक्ष ने कड़े निर्देश दिए हैं। कहा है कि अधिक लोड वाले क्षेत्रों के ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता को अवर अभियंता को नियमित चेक करना होगा। ट्रांसफॉर्मर का तेल, अर्थिंग, एचटी, एलटी लाइन प्रोटेक्शन सिस्टम की जांच



भी करनी होगी। अधिक लोड मिलने पर क्षेत्र में चेकिंग करनी होगी और बिजली

इसके बाद भी ट्रांसफॉर्मर क्षतिग्रस्त होता है तो अवर अभियंता व लाइनमैन इसके लिए जिम्मेदार होंगे और उन पर कार्रवाई की जाएगी। अब लाइन लास कम करने और राजस्व वसूली के लिए सोमवार से उर्जा निगम अभियान शुरू कर रहा है। इसके लिए गठित की गई टीम सबसे पहले उन इलाकों में पहुंचेगी, जहां सर्वाधिक लाइन लास हो रहा है। इन इलाकों में छापेमारी कर बिजली चोरी करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

दो सगे भाइयों की ट्रैक्टर-ट्रॉली के पहिए के नीचे दबकर मौत

मुरादाबाद। कटघर थाना क्षेत्र में जीरो पॉइंट के पास सुबह तड़के नींद को झपकी आ जाने से सीमेंट से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित हो जाने से दो सगे भाइयों की पहिए के नीचे दबकर मौत हो गई। घटना के बाद हादसे पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। लहलुहान हालत में सड़क पर पड़े दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते परिवार में कोहम मच गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी।

चुस गई। दोनों भाई गिरकर पहिए के नीचे आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजय कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सीमेंट से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली को अपने साथ थाने ले आई। थाना प्रभारी संजय कुमार का कहना है दोनों सगे भाई ट्रैक्टर-ट्रॉली चलाने का कार्य करते थे। दोनों सीमेंट भर के रामपुर जा रहे थे। अचानक नींद की झपकी आ जाने से ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित हो गई जिसके चलते दोनों भाइयों की पहिए के नीचे दबकर मौत हो गई है। दोनों की शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लहलुहान हालत में सड़क पर पड़े दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते परिवार में कोहम मच गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी।

पिया के नाम की हाथों में रचाई मेहंदी, देर रात तक हुई खरीदारी

मुरादाबाद। अपने सुहाग की लंबी उम्र व सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना के लिए करवा चौथ का व्रत रविवार को मनेगा। महिलाओं ने त्योहार से एक दिन पहले ही हाथों पर अपने पिया के नाम की मेहंदी रचाई। सुबह से लेकर देर रात तक बाजारों में चहल पहल रही। ब्यूटी पार्लर में सजने-संवरने के लिए महिलाओं की भीड़ रही। देर रात तक दुकानों पर खरीदारी हुई। पति भी पत्नियों को उपहार देने के लिए आभूषण, ड्रेस आदि की खरीदारी में जुटे रहे। करवा चौथ का व्रत महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। यह व्रत विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए रखती हैं। महिलाएं सुबह से निजला व्रत रखती हैं और रात को चंद्रमा को अर्घ्य देकर पूजा करने बाद पारण करती हैं। शनिवार को सुबह से लेकर देर रात तक मंडी चौक से लेकर गंज बाजार, गुरुहटी, लाइनपार, बुद्धि विहार, कांठ रोड पर हथ्यला, आशियाना आदि क्षेत्रों में खूब चहल-पहल रही। महिलाएं सुबह से ही मेहंदी लगवाने के साथ ही करवा, केलेंडर, पूजा की थाली, लोटा और छलनी की खरीदारी करती रही। वहीं आभूषण की दुकानों पर मंगल सूत्र,



पायल, अंगूठी, नेकलेस और रोस गोल्ड से नरें हार की खरीदारी में जुटी रहीं। वहीं सजने-संवरने के लिए चूड़ियां, बिंदी, लिपस्टिक, मेकअप किट और सिरक, जार्जेट की साईंयां और लहंगे की खूब खरीदारी भी हुई। रविवार को विधि विधान से पूजन कर महिलाएं अपने सुहाग की लंबी उम्र

की कामना करेंगी इस बार करवा चौथ पर पति अपनी पत्नियों को सोने की चेन और डायमंड की अंगूठी उपहार में दे रहे हैं। करवा चौथ पर उपहार देने के लिए एक माह पहले से ही पत्नियों ने आर्डर देने शुरू कर दिए थे। जिसमें सबसे अधिक आर्डर डायमंड की अंगूठियों के थे। साथ ही पायल, बिछुर और मंगल सूत्र भी खरीद रहे हैं। करवा चौथ पर सबसे अधिक ज़ेज नव विवाहित महिलाओं में होता है। इस बार महिलाएं सबसे अधिक नेल आर्ट और हाथों पर डिजाइन मेहंदी लगवा रही हैं। उधर करवा चौथ पर सजने के लिए ब्राइडल मेकअप की मांग अधिक है। ब्राइडल मेकअप की बुकिंग 50 से अधिक है। करवा चौथ को लेकर पिछले दो दिन से बाजार में महिलाओं की अधिक भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। शनिवार की सुबह से महिलाएं चूड़ी, बिंदी और मेकअप का सामान व पूजा की थाली की खूब खरीदारी करती रही (विवाहित महिलाओं के लिए करवा चौथ के व्रत का विशेष महत्व होता है। यह व्रत महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए रखती हैं। इस दिन महिलाएं सुबह से निजला व्रत रखती हैं और रात को चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद व्रत खोलती हैं।

संपादकीय

जहरीली शराब का कहर, बित्री पर रोक लगाने में विफल बिहार

बिहार के सिवान, छपरा और गोपालगंज जिलों में जहरीली शराब से अब तक लगभग 50 लोगों की मौत शराबबंदी की पोल खोलने के साथ यह भी बयान कर रही है कि राज्य सरकार और उसका तंत्र अवैध तरीके से शराब के निर्माण और उसकी बित्री को रोक पाने में विफल है।

बिहार सरकार को कम से कम अब तो इस नतीजे पर पहुंच जाना चाहिए कि दुनिया में कहीं पर भी शराबबंदी सफल नहीं हुई है। बिहार में भी यह नाकाम है। कहने को राज्य में शराबबंदी है, लेकिन वह हर जगह उपलब्ध है और यहां तक कि उसकी होम डिलीवरी भी होती है। स्पष्ट है कि अवैध तरीके से शराब बेचने वालों ने अपना एक सुगठित तंत्र विकसित कर लिया है। दूसरे राज्यों से चोरी-छिपे शराब लाकर बेचने वाले मालामाल हो रहे हैं। समस्या यह भी है कि शराब की वैध बित्री से राज्य सरकार को सैकड़ों करोड़ रुपये का जो राजस्व मिलता, वह अवैध कमाई के रूप में शराब माफिया और उन्हें संरक्षण देने वालों की जेबों में जा रहा है।

भी है कि शराब की वैध बित्री से राज्य सरकार को सैकड़ों करोड़ रुपये का जो राजस्व मिलता, वह अवैध कमाई के रूप में शराब माफिया और उन्हें संरक्षण देने वालों की जेबों में जा रहा है।

निःसंदेह शराबबंदी न होने के बाद भी गुपचुप रूप से शराब बनाने-बेचने का काम हो सकता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि इस तथ्य की अनदेखी कर दी जाए कि शराबबंदी अवैध तरीके से शराब बनाने वालों को फलने-फूलने का मौका देती है। वे ज्यादा से ज्यादा पैसा बनाने के फेर में घंटिया या फिर नकली शराब बनाते हैं, जो कई बार जहरीली हो जाती है। ऐसे तत्व तभी सन्नित हो पाते हैं, जब उनकी अनदेखी की जाती है। जहरीली शराब कांड के बाद शराब की कई अवैध भट्टियां और बनी-अधबनी शराब मिलने से इसकी पुष्टि ही होती है कि इसकी निगरानी सही तरह नहीं हो पा रही थी कि कहीं गुपचुप रूप से घंटिया और अंततः जानलेवा साबित होने वाली शराब का निर्माण तो नहीं किया जा रहा है? इस नतीजे पर पहुंचने के पयोग कारण हैं कि बिहार में बाहर से लाकर शराब बेचने वाले भी सन्नित हैं और उसे अवैध तरीके से बनाने वाले भी।

निशाने पर विमान, झूठी सूचना देने वाले बेलगाम

आर.के. सिन्हा

समझना कठिन है कि ईमेल या फिर किसी सोशल नेटवर्क साइट के जरिये विमान में बम रखे जाने की सूचना देकर अफरातफरी पैदा करने वाले तत्वों तक पहुंचने में कठिनाई क्यों हो रही है? क्या भारत के पास वैसे उपाय नहीं, जिनसे ऐसे तत्वों तक आसानी से पहुंचा जा सके? झूठी सूचनाएं देकर विमान सेवाओं के संचालन को बाधित करना एक गंभीर साइबर अपराध है।

यह चिंताजनक है कि विमानों में बम रखे जाने की झूठी सूचना देने वाले बेलगाम दिख रहे हैं। लगातार तीसरे दिन जिस तरह विमानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई, उससे यही साबित होता है कि ऐसा करने वालों का दुस्साहस बढ़ा हुआ है। यह सामान्य बात नहीं कि बीते तीन दिनों में डेढ़ दर्जन से अधिक विमानों में बम रखे होने की सूचना देकर विमान कंपनियों, यात्रियों और सुरक्षा एजेंसियों के सामने संकट खड़ा किया गया। इनमें से कई विमान अंतरराष्ट्रीय उड़ान पर थे। जब किसी विमान में बम रखे जाने की सूचना दी जाती है, तब उसे तुरंत निकटवर्ती हवाई अड्डे पर उतार कर इसलिये गहन जांच की जाती है कि कहीं धमकी सही न हो। इसके चलते विमानों का

झंज झंज सब मामलों की जांच तो की गई, लेकिन शायद ही किसी मामले में धमकी देने वालों की पहचान और पकड़ की जा सकी हो। हैरानी नहीं कि यही तत्व अब विमानों को निशाना बना रहे हों। जो भी हो, हमारी एजेंसियों को हर हाल में उन तक पहुंचना होगा, जो लोगों को भयभीत करने के साथ देश के सुरक्षा परिदृश्य को खराब दिखाने का काम कर रहे हैं। ऐसे तत्वों को सबक नहीं सिखाया गया तो यहां-वहां बम रखने की झूठी सूचनाओं से छुटकारा मिलने वाला नहीं है।

संचालन तो प्रभावित होता ही है, हवाई यात्रा को लेकर लोगों के मन में आशंका भी उपजती है इसके अलावा विमान यात्रियों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में देर भी होती है। स्पष्ट है कि इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लेना होगा। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि एक के बाद एक विमानों में बम रखे जाने की झूठी सूचना देने का सिलसिला इसीलिए कायम है, क्योंकि ऐसी सूचनाएं देने वालों पर शिकंजा नहीं कसा जा पा रहा है। चूंकि विमानों को उड़ाने की धमकी देने के मामले में छत्तीसगढ़ से एक सदिग्ध की हिरासत में लेने के बाद भी ऐसी और धमकियां सामने आईं, इसलिए यह स्पष्ट है कि यह किसी एक अपराधी का काम नहीं।

समझना कठिन है कि ईमेल या फिर किसी सोशल नेटवर्क साइट के जरिये विमान में बम रखे जाने की सूचना देकर अफरातफरी पैदा करने वाले तत्वों तक पहुंचने में कठिनाई क्यों हो रही है? क्या भारत के पास वैसे उपाय नहीं, जिनसे ऐसे तत्वों तक आसानी से पहुंचा जा सके? झूठी सूचनाएं देकर विमान सेवाओं के संचालन को बाधित करना एक गंभीर साइबर अपराध है।

यह ठीक नहीं कि हमारी एजेंसियां किस्म-किस्म के साइबर अपराधों से सही तरह से नहीं निपट पा रही हैं। हैरानी नहीं कि इसीलिए उनका दुस्साहस बढ़ता जा रहा है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ समय पहले स्कूलों, अस्पतालों, संग्रहालयों आदि में बम रखे जाने की झूठी सूचनाएं देकर लोगों

और साथ ही सुरक्षा एजेंसियों को त्रस्त किया गया था। इन सब मामलों की जांच तो की गई, लेकिन शायद ही किसी मामले में धमकी देने वालों की पहचान और पकड़ की जा सकी हो। हैरानी नहीं कि यही तत्व अब विमानों को निशाना बना रहे हों। जो भी हो, हमारी एजेंसियों को हर हाल में उन तक पहुंचना होगा, जो लोगों को भयभीत करने के साथ देश के सुरक्षा परिदृश्य को खराब दिखाने का काम कर रहे हैं। ऐसे तत्वों को सबक नहीं सिखाया गया तो यहां-वहां बम रखने की झूठी सूचनाओं से छुटकारा मिलने वाला नहीं है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)



बिजनेस

स्विगी, ओला, उबर जैसी कंपनियों को देनी पड़ेगी वेलफेयर फीस?

दिवाली से पहले खरीद ले सोना वरना जेब पर पड़ेगा भारी हफ्तेभर में आया इतना उछाल

नई दिल्ली | कर्नाटक सरकार ने स्विगी, ओला, उबर और जोमैटो जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर होने वाले लेन-देन पर एक नया शुल्क लगाया है। यह शुल्क गिग वर्कर्स जैसे डिलीवरी और ड्राइवर के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के लिए फंड बनाने के लिए लगाया जाएगा। सरकार का कहना है कि यह पैसा गिग वर्कर्स के लिए एक स्पेशल वेलफेयर फंड में जाएगा, जिससे उनकी सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखा जा सके।

ग्राहकों को चुकाना पड़ेगा ये शुल्क? यह शुल्क केवल ट्रांसपोर्टेशन सर्विस पर लागेगा यानी ग्राहकों द्वारा खरीदी जाने वाली चीजों पर नहीं। इस योजना के तहत, सरकार इन प्लेटफॉर्म से 1-2% का शुल्क लेगी, जो कि गिग वर्कर्स की मदद के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। हालांकि, यह संभावना है कि ये शुल्क अंत में ग्राहकों को चुकाना पड़ेगा, जिससे सर्विस की कीमत थोड़ी बढ़ सकती है। इस फैसले के पीछे कर्नाटक सरकार का लक्ष्य यह है कि गिग वर्कर्स को बेहतर सुरक्षा और सुविधाएं मिल सकें, क्योंकि वे अर्थोनाहिड इंसुअर में काम करते हैं और उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना



पड़ता है। इससे पहले 18 अक्टूबर को Moneycontrol की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि राज्य सरकार ड्यूडू, Swiggy, Zepto और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 1-2 प्रतिशत का ही 'शेड्यूलिंग' का योजना बना रही है। रिपोर्ट में कहा गया था कि एकत्र किए गए धन को डिलीवरी सेवाओं में लगे

गिग वर्कर्स का समर्थन करने के लिए एक समर्पित कल्याण बोर्ड को ट्रांसपेरेंट कर दिया जाएगा (विंटर सेशन में आ सकता है) ये विधेयक यह कदम सरकार के मसौदा प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर्स (सामाजिक सुरक्षा और कल्याण) विधेयक, 2024 के मंद्नजर आया है, जिसका उद्देश्य गिग वर्कर्स को सामाजिक

स्टेकहोल्डर्स के साथ 32 दौर की बैठकों की, जिसमें लगभग 26 एप्रोगेटर, गिग वर्कर्स यूनियन, नागरिक समाज समूह और वकील शामिल थे। सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग और टअररडउट (नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज) और उक्क (कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री) जैसे संगठनों के साथ चर्चा भी की।

की बैठकों की, जिसमें लगभग 26 एप्रोगेटर, गिग वर्कर्स यूनियन, नागरिक समाज समूह और वकील शामिल थे। सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी विभाग और टअररडउट (नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज) और उक्क (कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री) जैसे संगठनों के साथ चर्चा भी की।

नई दिल्ली | पिछले कुछ महीनों में गोल्ड की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। जुलाई 2024 में सोने के दाम अपने हाईएस्ट लेवल पर पहुंच गए थे, लेकिन बजट 2024 के बाद इसमें भारी गिरावट आई। अब एक बार फिर से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और नए रिकॉर्ड्स लेवल पर पहुंच रही हैं। दिवाली से पहले घरेलू बाजार में सोने की कीमत 77,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से ऊपर पहुंच गई है।



80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक जाएगा गोल्ड रेट वहीं, बाजार के विश्लेषकों का कहना है कि धनतेरस तक गोल्ड का रेट 80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। ऐसे में अगर आप भी दिवाली पर गोल्ड खरीदने वाले हैं तो पहले ही खरीदारी कर लें, नहीं तो आपकी जेब पर भारी असर पड़ सकता है। एक हफ्ते में कितने बढ़े सोने के भाव? दिवाली से पहले गोल्ड के रेट लगातार बढ़ते जा रहे हैं। मल्टी कम्पोजिटी एक्सचेंज (टउ) पर 5 दिसंबर की

इतना ही नहीं घरेलू बाजार में भी गोल्ड की कीमतें बढ़ रही हैं। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (कडखअ) के अनुसार, 11 अक्टूबर को 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड की कीमत लगभग 76,000 रुपये थी और 18 अक्टूबर तक यह बढ़कर 77,410 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई।

200 रुपये से कैसे बनाया 10 करोड़ का वैचर, जानिए 22 साल के सूर्य वर्षण की कहानी

नई दिल्ली | बहुत से ऐसे लोग हैं, जो हर रोज इस उधेड़नुन में रहते हैं कि हम अपना खुद का बिजनेस शुरू करेंगे। मगर कभी पैसा या प्लानिंग की कमी के कारण हम इसे शुरू नहीं कर पाते हैं। मगर सूर्य वर्षण ने केवल 200 रुपये से अपना बिजनेस शुरू करके 10 करोड़ का वैचर खड़ा कर दिया। 22 साल की उम्र में ये मुकाम हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि है। मगर ये सफर कभी आसान नहीं था, सूर्य ने इसके लिए बहुत मेहनत की है। तमिलनाडु के मद्रुरै में रहने वाले सूर्य ने अपनी कंपनी नेकेड नेचर एक उइउ (डायरेक्ट टू कस्टमर) कंपनी है। सूर्य ने अपने माता-पिता से मिली पॉकेट मनी से पैसे बचाकर अपना पहला प्रोडक्ट बनाया, जिसे हिबिस्कस बाथ सॉल्ट नाम दिया।

आज हम जानेंगे कि कैसे ये बिजनेस 10 करोड़ के वैल्यूएशन तक पहुंच गया। आइये सूर्य की सबसे स्टोरी के बारे में जानते हैं। 200 रुपये से शुरू किया बिजनेस : तमिलनाडु, मद्रुरै के तूतकुडी में जन्में 22 वर्षीय सूर्य वर्षण ने केवल 200 रुपये में अपना पहला प्रोडक्ट बनाया। इन्होंने अपना पहला प्रोडक्ट यानी हिबिस्कस बाथ सॉल्ट 12 कक्षा में बनाया था। ये प्रोडक्ट सूर्य के किचन में तैयार किया गया था और इसमें गुड़हल के फूल और नमक का इस्तेमाल किया गया। हालांकि इतनी कम उम्र में सूर्य के इस बड़े सपनों को ज्यादा सपोर्ट नहीं मिला, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। अपनी मेहनत और जुनून से अब सूर्य ने 10 करोड़ का एक वैचर खड़ा कर दिया है।

इसके बाद सूर्य ने चेन्नई में अपनी आगे की पढ़ाई चालू रखने के साथ-साथ हर हफ्ते के आखिर में अपने बिजनेस को समय देने लगे। इसके लिए वे चेन्नई से मद्रुरै तक ट्रेवल करते थे। कम उम्र के कारण लोग उन्हें संदेह भरी नजर से देखते थे। मगर जल्द ही सूर्य को पहली सफलता मिली। सूर्य को लिए एक खास दिन आया, जब एक आधुनिक डॉक्टर ने उनके काम से प्रभावित होकर पहला बाथ सॉल्ट खरीदा। इससे सूर्य में नया आत्मविश्वास भर दिया। इसके बाद सूर्य दूर के एक कॉलेज में गए, जहां उन्होंने डिजिटल मार्केटिंग की ट्रेनिंग ली। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए सूर्य ने डिजिटल मार्केटिंग की क्लास लेना शुरू किया और इसके जरिए 2.20 लाख रुपये कमाए। इस तरह से सूर्य की कंपनी नेकेड नेचर

की शुरुआत हुई। नेकेड नेचर की शुरुआत अपने डिजिटल मार्केट की आय को नेकेड नेचर में फिर से निवेश करने के बाद सूर्य ने अपने प्रोडक्ट की संख्या में भी विस्तार किया। इसमें बाथ, रिक्न और हेयर से जुड़े 70 प्रोडक्ट को लॉन्च किया है। इसके बाद ब्रांड ने तेजी से विस्तार किया और 2021-22 में 56 लाख रुपये का रेवेन्यू जनरेट किया। बता दें कि नेकेड नेचर की मेन यूनिट मद्रुरै में है, जिसके प्रोडक्ट तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में ऑनलाइन उपलब्ध हैं। अब यह कंपनी 10 करोड़ का बिजनेस बन गया है।



सब का सपना
स्वामी मुद्रक व प्रकाशक
अनुज कुमार के द्वारा आर्यावर्त प्रिंटर्स सौम्या सदन गोकुल बिहार, अमरोहा उत्तर प्रदेश 244221 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर पोस्ट हवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक : अनुज कुमार
R.N.I. No. : UPHIN/2023/86483
मोबाइल नंबर
9456884327
E-Mail :-
Officialsabkasapna@gmail.com
www.sabkasapna.com
नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

हार के बाद रोहित शर्मा ने खिलाड़ियों पर उतारा अपना गुस्सा

बैंगलुरु टेस्ट में न्यूजीलैंड ने 8 विकेट हरा दिया है। इसके साथ ही कोवी टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पहली पारी में महज 46 रनों पर ऑलआउट होने के बाद टीम इंडिया के उमर पहले से ही हार का खतरा मंडराने लगा था। लेकिन टीम इंडिया ने काफी फाइट की। वहीं हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा का बड़ा बयान सामने आया है।

बैंगलुरु टेस्ट में मिली हार के बाद रोहित शर्मा ने बताया कि, दूसरी पारी में हमने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन पहली पारी में हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। इसलिए हम जानते थे कि आगे क्या होने वाला है और कुछ खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे थे। जब आप 350 रन से पीछे होते हैं तो आप इसके बारे में ज्यादा नहीं सोच सकते, बस गेंद और बल्लेबाजी देखनी होती है। कुछ साझेदारियां देखना वाकई रोमांचक था। हम आसानी से सख्त में आउट हो सकते थे, लेकिन हमें अपने प्रयास पर गर्व है।

पंत और सरफराज की हुई तारीफ



आगे रोहित ने कहा कि, जब वे दोनों बल्लेबाजी करते हैं तो हर कोई सीट के किनारे पर होता है। श्रम ने कुछ गेंदे छोड़ दीं और फिर शांत खेले। सरफराज ने भी काफी परिपक्वता दिखाई। मैंने अपनी प्रेस

कॉन्फ्रेंस में कहा था कि हमें पता था कि शुरूआत में यह मुश्किल होगा, लेकिन हमें 46 रन पर आउट होने की उम्मीद नहीं थी। न्यूजीलैंड ने अच्छी गेंदबाजी की और हम

उसका जवाब नहीं दे पाए। इस तरह के खेल होते रहते हैं। हम आगे बढ़ेंगे। हमने इंग्लैंड के खिलाफ एक मैच गंववाया और उसके बाद चार मैच जीते। हम जानते हैं कि हममें से प्रत्येक को क्या चाहिए।

रोहित शर्मा ने बताया कब वापसी करेंगे मोहम्मद शमी, जाने

रोहित के बयान से साफ हो गया कि फिलहाल शमी पूरी तरह फिट नहीं हैं। डॉक्टर गावस्कर ट्रॉफी के लिए शमी के चुने जाने की संभावना कम है। स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी विश्व कप 2023 के बाद भारतीय टीम में नजर नहीं आए हैं। उनकी फिटनेस को लेकर कई खबरें आती रहती हैं। विश्व कप के बाद स्टार गेंदबाज ने लंदन में सर्जरी करवाई थी, जिसके बाद वह अब तक टीम इंडिया में वापसी नहीं कर पाए हैं। हालांकि अब उनकी वापसी को लेकर रोहित शर्मा ने बड़ा अपडेट दिया है।

उम्मीद थी कि शमी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली तीनों मैचों की सीरीज के लिए चुना जाएगा। लेकिन यहाँ भी शमी को टीम में मौका नहीं दिया गया, क्योंकि वह पूरी तरह फिट नहीं थे। हालांकि अब रोहित ने शमी पर बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने कहा है कि शमी को इटका लगा है और उनके घुटनों में सूजन आ गई है, जिससे उन्हें थोड़ा पीछे हटना पड़ा और उन्हें फिर से शुरुआत करनी पड़ी। वह डॉक्टरों और फिजियो के साथ एनसीए में हैं। हम कमजोर शमी को ऑस्ट्रेलिया नहीं लाना चाहते। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वे स्वस्थ रहेंगे विश्व कप 2023 के बाद शमी को साथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई 2 टेस्ट मैच की सीरीज के लिए चुना गया था।

भारत को मिली 8 विकेट से हार दूसरी पारी के बाद न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 107 रनों का लक्ष्य था। जिसको कीवी टीम ने पांचवें दिन के पहले सेशन में ही 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया था। भारत की तरफ से दूसरी पारी में दोनों विकेट जसप्रीत बुमराह ने ही चतका थे। वहीं कोवी टीम की तरफ से विल यंग ने सबसे ज्यादा नाबाद 45 रनों की पारी खेली।

जरूरी खबरें

पाकिस्तान के साथ महामुकाबले के लिये ऐसी हो सकती है प्लेइंग XI



दोनों टीमों में टैलेंटड खिलाड़ियों की भरमार है, इसलिए फैंस को उम्मीद है कि जब दोनों टीमों में मिडिंगी तो मुकाबला रोमांचक होगा। यह मैच अमान के प्रतिष्ठित अल अमरगट क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। इस मैच में जहाँ मौजूदा चैंपियन पाकिस्तान ए अपने खिलाड़ियों को बचाने के लिए मैदान में उतरेगी, जबकि भारतीय टीम पिछली हार का बदला लेना चाहेगी। आइए जानते हैं कि इस मैच में भारतीय टीम किस प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है। भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन - तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा, आयुष बडोनी, प्रभसिमरन सिंह, नेहल वडेय, अंशुल कंबोज, रितिक शौकीन, वैभव अरोड़ा, रसिख सलाम, साई किशोर, राहुल चाहर।

अल अमरगट क्रिकेट ग्राउंड की पिच बल्ले और गेंद के बीच संतुलन पैदा करती है, जिससे फैंस को एक जबरदस्त मैच देखने को मिल सकता है। इस स्टैडियम में खेले गए पिछले मैचों को देखा जाए तो यहाँ तेज और स्पिन दोनों गेंदबाजों को विकेट मिली है। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है तो वह बल्लेबाजी के लिए आसान होता जाता है। मैच के दौरान तापमान के 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। लिस्ट ए मैचों में भारत ए का पाकिस्तान ए के खिलाफ रिकॉर्ड काफी अच्छा है। इन दोनों टीमों के बीच अब तक 14 बार मैच हुआ है, जहाँ टीम इंडिया ने 9 बार जीत दर्ज की है, जबकि पाकिस्तान सिर्फ पांच बार जीत सका है। पाकिस्तान ए की टीम पिछली बार टीम इंडिया को ही हराकर इमर्जिंग एशिया कप 2023 की चैंपियन बनी है। भारत ए की टीम - तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, रमनदीप सिंह, अनुज रावत, प्रभसिमरन सिंह, नेहल वडेय, अंशुल कंबोज, रितिक शौकीन, आकिब खान, वैभव अरोड़ा, रसिख सलाम, साई किशोर, राहुल चाहर।



आगामी टेस्ट से पहले टीम में इस दिग्गज खिलाड़ी की हुई एंट्री

बांग्ला टाइगर्स 21 अक्टूबर से घरेलू सरजमी पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 टेस्ट मैच की सीरीज खेलेगी। दूसरा मैच 29 अक्टूबर से खेला जाएगा। इस सीरीज से पहले बांग्लादेश क्रिकेट टीम में पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी मुरताक अहमद की एंट्री हुई है। वह बांग्लादेश क्रिकेट टीम में अहम पद संभालने के लिए तैयार हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपने कोचिंग सेटअप में बड़ा बदलाव किया है। 54 साल के पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी मुरताक अहमद

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के स्पिन गेंदबाजी सलाहकार के रूप में शामिल हुए हैं। मुरताक अहमद टी-20 विश्व कप 2024 और पाकिस्तान दौर पर भी टीम के साथ थे। लेकिन भारत दौर के लिए वह टीम के साथ नहीं थे। मुरताक 19 अक्टूबर को शेर ए बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश टीम के साथ नजर आए। इस दौरान उन्होंने टीम के साथ वक्त बिताया। बांग्लादेश को हाल ही में भारत के खिलाफ खेली गई 2 टेस्ट मैच की सीरीज के लिए हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा टी-20 सीरीज में भी

बांग्लादेश को 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि अब बांग्ला टाइगर्स अफ्रीका के खिलाफ सीरीज जीतने की तैयारियों में जुट चुकी है। 54 साल के मुरताक अहमद ने पाकिस्तान के लिए 1989 में टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने पाक के लिए 52 टेस्ट मैच में 185 विकेट हासिल किए हैं, जबकि 144 वनडे मैच में इस खिलाड़ी ने 161 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया है। पाक के लिए आखिरी मैच मुरताक अहमद ने साल 2003 में खेला था। इसके बाद वो लगातार कोचिंग सेटअप का हिस्सा रहे हैं।

सरफराज खान ने रचा दिया इतिहास

नई दिल्ली: टेस्ट की पहली पारी में सरफराज 0 रन बनाकर आउट हुए थे। वहीं, अब दूसरी पारी में सरफराज 150 की पारी खेलने के बाद आउट हुए, ऐसा कर सरफराज ने माघव आटे के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। माघव आटे ने साल 1953 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में पहली पारी में 0 और दूसरी पारी में नाबाद 163 रन की पारी खेली थी। सरफराज ने अपने चौथे टेस्ट मैच में शतक जमाने का कमाल किया है। सरफराज के सामने कोवी टीम के गेंदबाज पूरी तरह से औसत नजर आ रहे हैं। बैंगलुरु टेस्ट में सरफराज ने पहले विराट कोहली के साथ तीसरे विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी की फिर श्रम पंत के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 177 रनों की पार्टनरशिप की। बता दें कि सरफराज और पंत की पारी ने भारत को न्यूजीलैंड पर लीड दिलाए का काम किया है। एक समय भारतीय टीम 356 रन न्यूजीलैंड से आगे थी। लेकिन



कोहली के 70 और सरफराज के ऐतिहासिक पारी ने अब भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ लीड दिला दी है। सरफराज ने अपनी 150 रनों की ऐतिहासिक पारी में 18 चौके और तीन

छक्के लगाए। सरफराज को टिम साउदी ने आउट किया। बता दें कि भारतीय टीम की दूसरी पारी 462 रन पर सिमट गई। भारत ने न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रनों का टारगेट दिया है। 0 और 163* - माघव आटे बनाम

वेस्टइंडीज, पोर्ट ऑफ स्पेन, 1953 152 और 0 - नयन मोंगिया बनाम ऑस्ट्रेलिया, दिल्ली, 1996 0 और 150 - सरफराज खान बनाम न्यूजीलैंड, बैंगलुरु, 2024

सरफराज को खेलने का नहीं मिल रहा है मौका, पूर्व सिलेक्टर ने बताया वजह

नई दिल्ली: पूर्व सिलेक्टर जतिन परांजपे का कहना है कि सरफराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी अंतिम 11 में मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरफराज को अभी इसी तरह से रन बनाते रहना होगा। इसके साथ ही उन्हें अपनी बारी का इंतजार करना होगा। टीम इंडिया की टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए सरफराज खान को सबकुछ कर रहे हैं, जो वह रन सकते हैं। घरेलू क्रिकेट में रनों का अंवार लगाकर हर बार सरफराज भारतीय टीम में आते हैं, पर उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिल पाता है। सरफराज अभी तक भारत की ओर से सिर्फ तीन ही टेस्ट मैच खेल सके हैं। युवा बल्लेबाज को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए भी भारतीय टीम में जगह दी गई है।



हालांकि, पूर्व सिलेक्टर जतिन परांजपे का कहना है कि सरफराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी अंतिम 11 में मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरफराज को अभी इसी तरह से रन बनाते रहना होगा। इसके साथ ही उन्हें अपनी बारी का इंतजार करना होगा।

सारा तेंदुलकर इतनी कम उम्र में करोड़ों की है मालकिन



नई दिल्ली: सारा तेंदुलकर अपनी लाइफ स्टाइल के लिए काफी ज्यादा फेमस हैं। सारा ने अपनी मां की तरह ही मोडकल में पढ़ाई की है। वो आज ग्लैमर वर्ल्ड का भी हिस्सा हैं। उन्होंने अकेले दम पर करोड़ों की प्रॉपर्टी बनाई है। सारा का जन्म 12 अक्टूबर 1997 को हुआ था। अपनी मां की नक्शेकदम पर चलते हुए उन्होंने मोडकल की पढ़ाई है।

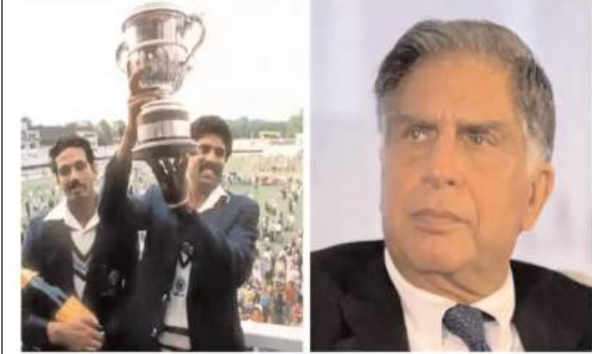
उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से की है। इसके बाद उन्होंने वायोमेटिकल साइंसेज में स्नातक की डिग्री ली है। सारा हैं बिजनेसवुमन 2011 में सारा तेंदुलकर ने अजियो ल्यूक्स से अपना मॉडलिंग करियर शुरू किया था। इसके बाद वो मॉडलिंग वर्ल्ड का बड़ा नाम बन गई हैं। वो नेशनल और

इंटरनेशनल कई फैशन शो में नजर आ चुकी हैं। सारा मॉडल होने के साथ-साथ एक बिजनेसवुमन भी हैं। उन्होंने एक ऑनलाइन बिजनेस शुरू किया है। वो सारा प्लैनर्स के नाम से डायरी सेल करती हैं। वॉ एंड्रोसमेंट, अपने बिजनेस और इंस्टाग्राम प्रमोशन के जरिए पैसा कमाती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी फेमस हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनके 7.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

उन्होंने अपना अलग नाम बनाया है। उन्होंने खुद के दम पर करोड़ों की प्रॉपर्टी बनाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सारा के पास एक करोड़ की प्रॉपर्टी है। वो मॉडलिंग, ब्रांड एंड्रोसमेंट, अपने बिजनेस और इंस्टाग्राम प्रमोशन के जरिए पैसा कमाती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी फेमस हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनके 7.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं।



शुभमन गिल के साथ अनिल कपूर की भतीजी एक साथ आई नजर, फैंस कर रहे ऐसे-ऐसे कमेंट शुभमन गिल अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। चाहे मैदान पर उनकी बेहतरीन परफॉर्मंस से हो या फिर उनकी निजी जिंदगी, गिल हमेशा लाइमलाइट में बने रहते हैं। शुभमन का नाम पहले से ही मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा के साथ जोड़ा जाता रहा है। वहीं, हाल ही मीडिया रिपोर्ट के अनुसार गिल का नाम बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे से भी जोड़ा गया था। हालांकि गिल को अनिल कपूर की भतीजी शानाया कपूर के साथ स्पॉट किया गया, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर हलचल मच गई है। दोनों का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद फैंस ने तरह-तरह के रिप्लेक्सन दिए हैं। कुछ समय पहले शुभमन गिल और अनन्या पांडे ने एक एड शूट किया था, जिसके बाद मीडिया में दोनों के डेटिंग की अफवाहें उड़ी थीं। अब शुभमन यानी आज शुभमन गिल और शानाया कपूर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों साथ-साथ नजर आ रहे हैं।



रतन टाटा का इन खिलाड़ियों को चमकाने में था अहम योगदान

उद्योगपति रतन टाटा ने 86 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। उनके कई योगदान ऐसे भी हैं, जिन पर दुनिया का ध्यान नहीं गया। इन्होंने से एक है 1983 में टीम इंडिया की ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीत। उनका निधन परंपरे में शोक की लहर है, जहाँ हर कोई शोक व्यक्त कर रहा है। उन्होंने अपने नेतृत्व और परोपकार से भारत की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान दिया। हालांकि उनके कई योगदान ऐसे भी हैं, जिन पर दुनिया का ध्यान नहीं गया। इन्होंने से एक है 1983 में टीम इंडिया की ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीत। 1983 की कपी ना भूलने वाली जीत में रतन टाटा का योगदान उल्लेखनीय था। इस जीत ने क्रिकेट को भारत में सबसे आगे ला दिया और यह प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए टाटा की प्रतिबद्धता के बिना संभव नहीं हो सकता था। उनकी वजह से ही भारत की जीत के तीन प्रमुख खिलाड़ी तैयार हो पाए। हम यहां बात कर रहे हैं मोहंनदर अमरनाथ, रवि शास्त्री और संदीप पाटिल को। बता दें कि 1983 वर्ल्ड कप से पहले मोहंनदर अमरनाथ एयर इंडिया के लिए खेले जबकि संदीप पाटिल टाटा ऑयल मिस्प के लिए खेले। इसके अलावा रवि शास्त्री टाटा स्टील के लिए खेला करते थे। इस तरह से तीनों ही खिलाड़ियों की शुरुआत टाटा द्वारा समर्थित घरेलू टीमों से हुई थी। उस समय रतन टाटा ने टाटा ग्रुप के अंदर एक प्रबंधकीय पद संभाला था, जो भारत में क्रिकेट के विकास में उनकी बड़ी भूमिका को दिखाता है।

वायरल फीवर और डेंगू का फर्क पहचाना जरूरी

सर्दी के मौसम की शुरुआत हो चुकी है और इसके साथ कई सारी समस्या भी होनी शुरू हो गई है। हर तीसरे घर में आपको वायरल बुखार के मरीज देखने को मिल सकते हैं। कोई खांसी से परेशान है तो किसी को जुकाम ने जकड़ रखा है। कुछ ऐसे भी मरीज हैं जो डेंगू की बीमारी की चपेट में हैं। देश के अलग-अलग राज्यों से डेंगू के मरीजों की बढ़ती संख्या की खबरें आ रही हैं। कई बार लोग वायरल बुखार और डेंगू को एक जैसा समझने की गलती करते हैं, जिस वजह से बाद में पछताना पड़ता है।



वायरल बुखार और डेंगू से रहें सावधान!

वायरल फीवर के लक्षण
वायरल फीवर के दौरान बुखार चढ़ता और उतरता रहता है। कभी-कभी तो कभी-कभी अचानक से बहुत गर्मी लग सकती है। सिरदर्द के अलावा हाथ-पैरों में दर्द या पूरे शरीर में दर्द रहता है। गले में दर्द के साथ खांसी और जुकाम बहुत ज्यादा हो सकता है।

पेट खराब या पेशाब का रंग बदला हुआ लग सकता है। शरीर में कमजोरी के साथ किसी काम में मन नहीं लगता है। ये भी पड़े-लंगड़ा बुखार के संकेतों को न करें नजरअंदाज **वायरल बुखार से बचाव**
ज्यादा भीड़-भाड़ वाली जगह न जाए। संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर रहें।

डेंगू के लक्षण
तेज बुखार होता है जो आमतौर पर 102 से ऊपर ही होता है। सिर दर्द के अलावा हाथ-पैरों में बहुत तेज दर्द रहता है। उल्टी-मतली जैसी समस्या रहती है। कुछ खाया पिया नहीं जाता है। शौच और उल्टी के साथ खून देखने को मिल सकता है। फ्लोलेट काउंट गिरने की समस्या होने लगती है।

छींकने से पहले मुंह को रुमाल से ढक लें। समय-समय पर हाथ को अच्छे साफ करें। फेस मास्क का यूज करें, नाक और मुंह को ढक कर रहें।

हमेशा के लिए दूर होगी विटामिन बी-12 की कमी! रोजाना खाएं ये 7 वैजिटेरियन फूड्स

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी आवश्यक तत्वों की जरूरत होती है। पोषक तत्वों में सबसे जरूरी होता है, विटामिन बी-12। यह विटामिन सेहतमंद रहने के लिए आवश्यक होता है। विटामिन बी-12 शरीर के तमाम कार्यों को करने में मदद करता है। यह तत्व ब्रेन की नर्वस से जुड़ा हुआ होता है, इसलिए इसकी कमी से ईसान गंभीर बीमारियों के घेरे में आ सकता है। इस विटामिन के कम होने से एनीमिया हो सकता है, हीमोग्लोबिन कम हो सकता है, हड्डियां और शरीर बुरी तरह से कमजोर हो सकता है। हालांकि, इस विटामिन के प्रमुख स्रोत पशुमूल प्रोडक्ट्स होते हैं। इसलिए अधिकतर शाकाहारी लोगों को इस तत्व की कमी ज्यादा होती है। इस रिपोर्ट के जरिए हम आपको 7 शाकाहारी फूड्स के बारे में बता रहे हैं, जिनके लगातार सेवन से जीवन में कभी भी विटामिन बी-12 कम नहीं होगा। यह दूध शाकाहारी लोगों के लिए विटामिन बी-12 की पूर्ति करने के लिए बेस्ट है। इसमें कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो आपको सभी जरूरी पोषक तत्व प्रदान करने में मदद करता है। अगर आप इसे बिना शुगर के पीते हैं तो ज्यादा लाभ होगा।



विटामिन बी-12 के लिए खाएं ये चीजें

चुकंदर : बीटरूट में आयरन, पोटेशियम और फाइबर के साथ विटामिन बी-12 भी होता है। इसे खाने से बांझी में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है। चुकंदर खाने से शरीर में खून और सफेद खून यानी ब्लाइट ब्लड सेल्स की भी कमी नहीं होती है। आप रोजाना चुकंदर का सलाद या फिर सूप बनाकर पी सकते हैं।
फोर्टिफाइड अनाज : फोर्टिफाइड अनाज उन लोगों के लिए अच्छा ऑप्शन है जो शाकाहारी हैं। इसमें एक्सट्रा विटामिन बी-12 मिलाया जाता है, जिससे यह शाकाहारियों और शाकाहारियों के लिए आइडियल ऑप्शन बन जाता है। फोर्टिफाइड अनाज, वेसे सोरियल्स है जो प्रोसेसड होते हैं लेकिन सेहत से भरपूर होते हैं।

रेड ब्लड सेल्स की ग्रोथ बढ़ती है। रोजाना दही के सेवन से हड्डियों का विकास होता है। दही खाने से प्रोबायोटिक्स भी मिलते हैं।
गाय का दूध : गाय के शुद्ध दूध में भर-भर के विटामिन बी-12 होता है। हालांकि, दूध तो सभी को पीने की सलाह दी जाती है, ताकि आप बीमार ना पड़ सकें। दूध पीने से कैल्शियम और प्रोटीन भी मिलता है। रोजाना 1 गिलास शुद्ध गाय का दूध पीने से आप इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं।
मशरूम: मशरूम में भरपूर मात्रा में यह विटामिन होता है। अगर आपके शरीर में विटामिन बी-12 की कमी हो रही है तो नियमित रूप से मशरूम खाना शुरू करें। मशरूम में कई अन्य गुण भी होते हैं जो आपको लाभ देते हैं। मशरूम की एक प्रजाति शिटेक मशरूम में ज्यादा मात्रा में विटामिन बी-12 होता है।

खाना खाने के पहले और बाद में कब पीना चाहिए पानी? जानिए सही तरीका



लंच के समय खाना खाते वकत की कुछ गलतियां हमारी सेहत को प्रभावित कर सकती हैं। जैसे लंच के बाद चाय पीना सही प्रैक्टिस नहीं है। वैसे ही, खाना खाने के तुरंत पहले और बाद में पानी पीने के लिए भी मना किया जाता है। पानी पीने के भी कुछ सही तरीके हैं और समय उस हिसाब से पानी नहीं पिया जाए तो पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। अगर आप उन लोगों में से हैं जिन्हें अक्सर पेट की गड़बड़ियां और अपच की समस्या बनी रहती है तो इसकी एक वजह खाना खाने और पानी पीने की गलत टाइमिंग भी हो सकती है। गलत तरीके से पानी पीने का सीधा असर पेट पर पड़ता है। यहां जानिए एक्सपर्ट के अनुसार, पाचन को दुरुस्त रखने और अच्छी सेहत के लिए खाना खाने से कितनी देर पहले और कितनी देर बाद पानी पीना चाहिए? **खाने से कितनी देर पहले पानी पीना चाहिए?**
अक्सर लंच का समय ऐसा होता है कि लोग अपने-अपने कामों में बिजी रहते हैं, वहीं कुछ लोग ऑफिस जाते हैं तो उनके पास तो खाना खाने के लिए भी

एक निर्धारित समय होता है। जिस कारण लोग अपनी पानी पीने की गतिविधि का ध्यान नहीं रख पाते हैं। खाना खाने से पहले पानी पीने का सही समय 30 मिनट पहले का है। यानी लंच करने से आधे घंटे पहले 1 गिलास पानी पीना चाहिए। ऐसा करने से आपके पेट का तापमान अनुकूल हो जाता है। इसके अलावा, भूख कम लगती है ताकि आप ओवरईटिंग करने से बच सकें।
खाना खाने के बाद पानी कब पिएं?
इस बारे में तो आप जानते ही होंगे कि खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीना बिल्कुल सही नहीं है। इससे पाचन खराब होता है। आयुर्वेद में इसे वर्जित बताया गया है। खाना खाने के लगभग 30 मिनट या 40 मिनट बाद पानी पीने की सलाह दी जाती है। ऐसा करना इसलिए फायदेमंद है क्योंकि, तुरंत पानी पीने से पेट में एसिड रिफ्लक्स होता है जिससे एसिडिटी की समस्या होती है। आधे घंटे बाद पानी पीने से पेट को तापमान बदलने का समय मिल जाता है और पाचन करने में आसानी होती है।

वर्कआउट से पहले या बाद में, फूड लेना कब सही डाइटिशियन से जानें टिप्स

शरीर में पोषण, फिटनेस और एक्सरसाइज दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। पोषण खाने से मिलता है, जो एक्सरसाइज करने में, उससे रिकवरी और ओवरऑल हेल्थ को प्रभावित करता है। हालांकि, एक्सरसाइज और जिम से जुड़ी एक बात लोगों के बीच काफी कॉमन है कि खाना कब खाना चाहिए। वर्कआउट से पहले या वर्कआउट के बाद, इसका सही जवाब जानते हैं डाइटिशियन से।
वर्कआउट से पहले खाना खाने से क्या होगा?
यह जानकारी इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदान की जा रही है। इनसे बात करते हुए मधुर परलकर बेहकी, सीनियर डाइटिशियन बताती हैं कि खाना खाना शरीर के लिए जरूरी है क्योंकि खाना हमें जरूरी पोषक तत्व देते हैं।
खाना खाने से ऊर्जा मिलती है, ब्लड शुगर का स्तर बेहतर होता है। मधुर बताती हैं कि जिम जाने से 2-3 घंटे पहले काबोहाइड्रेट और प्रोटीन से भरपूर खाना खाना सही रहता है। इससे आपके व्यायाम करने में मदद मिलती है। अगर आप ऐसा नहीं कर पाते हैं तो एक्सरसाइज से 30-40 मिनट पहले लो कार्बोहाइड्रेट फूड्स का सेवन कर सकते हैं।
एक्सरसाइज में मदद करने में मदद करेगा। मसल ग्रोथ एक्सरसाइज कर रहे हैं, तो जिम जाने से पहले खाना सही होता है।
वेत लॉस एक्सरसाइज के लिए भी वर्कआउट से पहले खाना खाएं।
वर्कआउट के बाद खाना खाने से



क्या होगा?
मधुर के अनुसार, वर्कआउट के बाद का खाना सिर्फ रिकवरी के लिए होता है। हेवी एक्सरसाइज के बाद मसल को पोषण की जरूरत होती है, इसलिए खाना जरूरी है। वर्कआउट के बाद खाना खाने के कुछ फायदे
1. रिकवरी में मदद - वर्कआउट के बाद खाना खाने से आपके शरीर को

रिकवरी में मदद मिलती है।
2. मांसपेशियों की मरम्मत - वर्कआउट के बाद खाना खाने से आपके मांसपेशियों की मरम्मत होती है।
3. ऊर्जा की पूर्ति - जिम में एक्सरसाइज के बाद ईसान थकता है और कम एनर्जी फील करता है, इसलिए खाना खाना जरूरी है।

हालांकि, मधुर बताती हैं कि किसे कब खाना है वो उनकी एक्सरसाइज और डाइट के हिसाब से निर्धारित किया जाता है।
प्री-वर्क आउट में 2-3 घंटे पहले हेवी मील लेना और पोस्ट वर्कआउट में 1 घंटे के अंदर ही खाना खाना चाहिए। वर्कआउट के दौरान नमक और चीनी वाला पानी पीना फायदेमंद होता है।

रोजाना जीरा खाने के हैं कई फायदे पाचन तंत्र को भी बनाए मजबूत

जीरा भारतीय रसोई का एक ऐसा मसाला है कि जिसका इस्तेमाल लोग दाल और सब्जी में तड़ुका लगाने के लिए करते हैं। जीरे में कई प्रकार के एंटी ऑक्सिडेंट और फ्लेवोनॉयड्स मौजूद होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकते हैं। अपने जीरे का इस्तेमाल खाना बनाने में तो किया ही होगा, मगर आज हम आपको जीरा खाने के कुछ अलग तरीके और उनसे मिलने वाले फायदों के बारे में बता रहे हैं, जो सेहतमंद और स्वादिष्ट दोनों हैं।
जीरा को हम सब मसाले के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। यह मसाला लगभग हर इंडियन किचन में मौजूद होता है। इसका उपयोग हर प्रकार के शाकाहारी-मांसाहारी और नमकीन व्यंजनों में किया जाता है। जीरा खाने से स्वास्थ्य को भी कई प्रकार के लाभ मिलते हैं। जीरा



एंटी ऑक्सिडेंट और फ्री रेडिकल्स जैसे फायदेमंद गुणों से भरपूर होता है। इनका सेवन करने से हम अनेकों रोगों से खुद को बचा सकते हैं।
इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी एंटी

आपको बताते हैं डाइटिशियन के बताए हुए जीरे के अनेखे फायदे और उन्हें खाने के कुछ अलग तरीके।
जीरे और उससे जुड़ी फायदों के बारे में हमें डाइटिशियन और यूट्यूबर प्रेरणा बता रही हैं। वे आए दिन अपने यूट्यूब चैनल पर ऐसे ही फायदेमंद वीडियोज लोगों के साथ शेयर करती रहती हैं।
पाचन - डाइटिशियन प्रेरणा बताती हैं कि पाचन के लिए जीरे का पानी पीना बेहद फायदेमंद होता है। रोजाना सुबह एक गिलास जीरे का पानी पीने से थायरॉइड की समस्या भी कम होती है। इसके लिए आपको 1 गिलास पानी में आधा चम्मच जीरा पिगोकर रात भर के लिए छोड़ना होगा, अगले दिन सुबह खाली पेट इस पानी का पी लें। ऐसा लगातार कुछ दिनों तक करें।
वेत लॉस - जीरे से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। इससे शरीर का

शहद भी मिलाकर पी सकते हैं।
कोलेस्ट्रॉल - जीरे में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाले गुण पाए जाते हैं और यह शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को भी बढ़ाता है। कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण रहने से आप हार्ट की बीमारियों से भी खुद को बचा सकते हैं। इसके लिए आप खाली पेट जीरे का पानी या फिर चाय दोनों का सेवन कर सकते हैं।
शहद भी मिलाकर पी सकते हैं।
कोलेस्ट्रॉल - जीरे में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाले गुण पाए जाते हैं और यह शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को भी बढ़ाता है। कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण रहने से आप हार्ट की बीमारियों से भी खुद को बचा सकते हैं। इसके लिए आप खाली पेट जीरे का पानी या फिर चाय दोनों का सेवन कर सकते हैं।

धनतेरस पर होगा महालाभ!



धनतेरस से पहले इन राशियों की चमकेगी किस्मत, दोनों हाथ से बटोरेंगे पैसे

पंडित केशव शर्मा प्रभाकर के अनुसार कार्तिक माह में आने वाली कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन मनाया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार धनतेरस का पर्व 29 अक्टूबर 2024 को मनाया जाएगा। मान्यता है कि धनतेरस के दिन समुद्र मंथन से धन्वंतरि जी अमृत कलश लेकर पकट हुए थे। इसी वजह से इस दिन धन की देवी माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर के साथ धन्वंतरि जी की पूजा का विधान है। हालांकि इस बार धनतेरस का दिन बेट्टे खास है, क्योंकि इस दिन त्रिगुहरी योग, त्रिपुकर योग, इंद्र योग, वैधुति योग और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र का महासंयोग बन रहा है। आइए जानते हैं इस बार धनतेरस का पर्व किन पांच राशियों के जातकों के लिए वरदान साबित हो सकता है।

पंडित केशव शर्मा प्रभाकर के अनुसार कार्तिक माह में आने वाली कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन मनाया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार धनतेरस का पर्व 29 अक्टूबर 2024 को मनाया जाएगा। मान्यता है कि धनतेरस के दिन समुद्र मंथन से धन्वंतरि जी अमृत कलश लेकर पकट हुए थे। इसी वजह से इस दिन धन की देवी माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर के साथ धन्वंतरि जी की पूजा का विधान है। हालांकि इस बार धनतेरस का दिन बेट्टे खास है, क्योंकि इस दिन त्रिगुहरी योग, त्रिपुकर योग, इंद्र योग, वैधुति योग और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र का महासंयोग बन रहा है। आइए जानते हैं इस बार धनतेरस का पर्व किन पांच राशियों के जातकों के लिए वरदान साबित हो सकता है।
कर्क राशि
इस साल धनतेरस पर बने 5 दुर्लभ योग से कर्क राशि के जातकों को विशेष लाभ प्राप्त होने की संभावना है। धन की देवी माता लक्ष्मी और कुबेर जी के आशीर्वाद से कारोबारियों को अपार धन की प्राप्ति हो सकती है। दुकानदारों की बिक्री में इजाफा होने से मुनाफा भी बढ़ सकता है। नौकरीपेशा जातकों को काम के सिलसिले में विदेश जाने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा छात्रों को भी माता से मनचाही चीज उपहार के रूप में मिल सकती है।
तुला राशि
धनतेरस पर बने इन दुर्लभ योग से तुला राशि के जातकों को जीवन में सकारात्मक बदलाव आने की संभावना है। कारोबारियों की काराएं सफल रहेंगी, जल्द ही कारोबार का विस्तार हो सकता है। कारोबारियों की काराएं सफल रहेंगी, जल्द ही कारोबार का विस्तार हो सकता है। कारोबारियों की काराएं सफल रहेंगी, जल्द ही कारोबार का विस्तार हो सकता है।
धनु राशि
धनु राशि के जातकों के लिए वरदान साबित हो सकता है। धनु राशि के जातकों को अधिक आर्थिक स्थिति में स्थिरता आएगी। कारोबार के विस्तार से जुड़ी योजनाएं समय पर पूरी होंगी, जिससे जल्द मोटा मुनाफा होगा। धनु राशि के जातकों का परिवार के सदस्यों के साथ चल रहा वाद-विवाद खत्म होगा। इसी के साथ मैट्रिड लाइफ में भी आने वाले दिनों में खुशियां बढ़ेंगी।